मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 272
भोपाल, शुक्रवार
12 दिसम्बर 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 अटलजी भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना...

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के टिकट आज से बिकना शुरू 06

मोहन सरकार के दो साल | **सीएम ने प्रेस कान्फ्रेंस कर बताई उपलब्धियां**

नक्सलवाद खत्म कर सिस्टम मजबूत किया नदी जोड़ो परियोजनाएं नए युग की शुरुआत

कार्यक्रम में 'विकास और सेवा के दो वर्ष' पुस्तक का विमोचन भी किया गया

13 दिसंबर 2023 को पीएम मोदी की मौजूदगी में डॉ. यादव ने सीएम का पदभार ग्रहण किया था

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र की मोहन सरकार को 2 साल पूरे होने जा रहे है। ऐसे में भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर अपने सरकार की उपब्धियां साझा की। इस अवसर पर डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल मौजूद रहे।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर सबसे बड़ी समस्या थी। छत्तीसगढ़ से लगे मध्यप्रदेश के कई इलाके नक्सलवाद से प्रभावित रहे, जहां एक साथ 17-17 पुलिसकर्मियों की हत्या तक कर दी गई। यहां तक कि एक मंत्री को घर से निकालकर थाने के पास कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई थी। उस समय समानांतर थाने, समानांतर कोर्ट और समानांतर सत्ता चलने लगी थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस संबंध में डेडलाइन तय की, तब सभी को लगा कि यह संभव होगा भी या नहीं। लेकिन कई पुलिस अधिकारी स्वयं आगे आए और बालाघाट में ड्यूटी की मांग की, जिससे नक्सलवाद खत्म करने में बड़ी मदद मिली। मंडला, बालाघाट और डिंडोरी में नक्सली समस्या खत्म करना प्रदेश के लिए एक बड़ा उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों और आम नागरिकों ने इसकी बड़ी कीमत चुकाई है, मैं उन सभी को सलाम करता हूं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अब जरूरत है कि सिस्टम को इतना मजबूत बनाया जाए कि यह समस्या दोबारा सिर न उठा सके।

प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ा

नदी जोड़ो अभियान पर बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन परियोजनाओं से प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। परस्पर सौहार्द के तहत राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों राज्यों में पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदी का पानी पहुंचने से बड़ी राहत मिलेगी। सीएम ने कहा पार्वती कालीसिंध चंबल, केन बेतवा और ताप्ती नदी जोड़ो परियोजनाएं नए युग की शुरुआत है।

भोपाल गैस त्रासदी के कचरे का निष्पादन हमने किया

इंदौर की हुकुम चंद मिल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 300 से 400 करोड़ के बकाया में उलझी मिल का निराकरण होने के बाद अब 70 से 80 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट यहां लगने वाला है। उन्होंने कहा कि भोपाल गैस त्रासदी के कचरे का निष्पादन करने का काम उनकी सरकार ने किया है।

शिप्रा में स्नान हो सके, इसलिए बनाई 800 करोड़ की योजना

उज्जैन की शिप्रा नदी में दो तरह की चुनौतियां थीं। पिछले सिंहस्थ में साधु-संतों ने गंभीर नदी के पानी से स्नान किया था। स्नान तो हुआ और सिंहस्थ संपन्न हुआ, लेकिन शिप्रा नदी का पानी उपलब्ध नहीं था। इस बार जल संसाधन विभाग ने व्यवस्था कर दी है कि सिंहस्थ में शिप्रा नदी के जल से स्नान हो सके। इसके लिए लगभग 800 करोड़ रुपए की योजना बनाई गई है। मध्यप्रदेश में एक राज्य के अंदर दो नदियों को जोड़ने का अभियान भी शुरू किया गया है। इसके तहत गंभीर और खान नदी को मिलाने के लिए टनल बनाकर नदी से नदी जोड़ने का काम किया गया है। ऊपर खेती होती है और नीचे नदी की धारा बहती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में पहले जीआईएस सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जिसे उनकी सरकार ने लागू किया। इसके अलावा, सागर में खाद का कारखाना चालू होने से यूरिया और अन्य खाद की आपूर्ति में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने न केवल व्यवस्थाएं चलाईं, बल्कि दूरदर्शी सोच के साथ ऐसे प्रोजेक्ट भी पूरे किए जो सामान्यत: लंबा समय लेते।

डिप्टी सीएम देवड़ा बोले-

विकास और विरासत दोनों पर ध्यान

कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का दो साल का कार्यकाल पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ मध्यप्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जा रहे हैं। इन दो वर्षों में विकास और विरासत दोनों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

मप्र देश में तीसरा सर्वाधिक निवेश वाला राज्य बना- हेमंत खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम के नेतृत्व में सरकार ने गरीब युवाओं, किसान और महिलाओं के विकास को प्राथमिकता दी। विकास और सेवा के ये दो वर्ष अच्छे शासन, पारदर्शिता और त्वरित निर्णयों के लिए जाने जाते हैं। त्वरित कार्यवाही से भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- मध्य प्रदेश देश में तीसरा सर्वाधिक निवेश वाला राज्य बना। गरीब कल्याण को लेकर हमारी सरकार ने कई अच्छे काम किए। जनजातीय समाज के कल्याण के लिए बजट में 40 हजार करोड़ की राशि का प्रावधान किया। राजा भभूत सिंह जैसे राजनायकों के नाम पर कैबिनेट आयोजित की।

पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल का 90 की उम्र में निधन

लातूर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार को 90 की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने लातूर में सुबह 6.30 बजे अंतिम सांस ली। शिवराज पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। लातूर में उनके घर देवघर में उनका इलाज चल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाटिल का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। शिवराज के परिवार में उनके बेटे शैलेश, बहू अर्चना और दो पोतियां हैं। पाटिल लातूर लोकसभा सीट से 7 बार सांसद रहे। शिवराज को इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का विश्वासपात्र माना जाता था। वे 1980 के दशक में इंदिरा और राजीव की सरकारों में रक्षा मंत्री रहे। इसके अलावा वे 1991 से 1996 तक लोकसभा के 10वें अध्यक्ष रहे।

अंतर्मना उवाच

यदि आप जानना चाहते हैं कि आपको कौन नियंत्रित करता है.. तो आप आँख मूंदकर सोचें हम किसके बारे में गलत नहीं सोचते..? और यह भी जानो कि हम क्या नहीं जानते..? जो नहीं जानते उसके बारे में जानने की शुरूआत आज से ही शुरु कर देना चाहिए..!

मनुष्य का स्वभाव बन गया है कि मान्यताओं की खोज करना। किसी समूह की मान्यताओं से जुड़ने के बाद हमें लगता है कि हम सम्बद्ध हो गये और

मान्यताओं की पहचान बन गये। और **हम अपने आप को पूर्वाग्रहों की धारणाओं से मजबूत समझने लगते हैं।** जबकि विनय, विवेक और विचारशील मनुष्यों की बुनियादी प्रवृति देखी गई है कि वे बनी बनाई मान्यताओं पर आँख मूंदकर नहीं चलते। बल्कि **उनके पद चिन्ह ऐसे आदर्श की मिसाल बन जाते हैं जो पंथ का नहीं, पथ का मार्ग प्रशस्त करते हैं।**

आज जहाँ देखो पंथवाद, संतवाद, सम्प्रदायवाद, पूर्वाग्रह, दुराग्रह, हटाग्रह से पीड़ित लोग धर्म की आड़ में इन सब विशेषणों को बेशरम के पेड़ की तरह लगाने और फैलाने में लगे हुये हैं। **धर्म का मर्म अनंत सुख है और पंथवाद, संतवाद, सम्प्रदायवाद, का सुख आपकी एक स्वांस रुकने तक का है।** आप कहीं भी जाओ, अब धर्म की खुशबु नहीं आती। बल्कि धर्म के नाम पर पूर्वाग्रह, दुराग्रह, हटाग्रह, संतवाद, पंथवाद, सम्प्रदायवाद की बू आ रही है।

इसलिए -

- **धर्म अग्नि की तरह है** - जो भी धर्म की शरण में आयेगा, उसके पाप का, दुराचार का, अनाचार का, व्यभिचार का दहन होगा ही होगा।
- **धर्म पानी की तरह है** - जो भी धर्म का पानी पीयेगा, धर्म उसकी प्यास बुझायेगा ही बुझायेगा।
- **धर्म औषधी के समान है** - जो धर्म की औषधी खाएगा, उसके जन्म मरण का नाश होगा ही होगा।
- **धर्म एक ही है** - अहिंसा, संयम, तप और दया।
- **दिल्ली एक है** - आने के मार्ग अलग-अलग है।
- **अग्नि एक है** - जो भी अग्नि में हाथ डालेगा, वो जलेगा ही जलेगा ...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

इंडिगो संकट के बीच डीजीसीए की बड़ी कार्रवाई

इंडिगो के 4 फ्लाइट इंस्पेक्टर निलंबित

सीईओ एल्बर्स की हो चुकी पेशी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो बीते कुछ दिन से अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। रोजाना लगभग 2300 फ्लाइट्स ऑपरेट करने वाली और घरेलू एविएशन मार्केट में 60त्न से भी अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इस एयरलाइन का मार्केट कैप मौजूदा संकट के बाद करीब 21,000 करोड़ रुपये तक घट चुका है। इसी बीच इंडिगो के परिचालन में उपजे संकट के 11वें दिन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत डीजीसीए ने चार फ्लाइट इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है।

डीजीसीए ने ये कदम ऐसे समय में उठाया है जब गुरुवार को ही इंडिगो ने हालिया संकट से प्रभावित हुए यात्रियों के लिए रिफंड के बाद अब अतिरिक्त मुआवजे का एलान किया है। वहीं गुरुवार को ही दूसरी बार इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स डीजीसीए के समक्ष पेश हुए।

बता दें कि इंडिगो ने शुक्रवार को भी बंगलूरू एयरपोर्ट से 54 उड़ानें रद्द की, जिनमें 31 आगमन और 23 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली और बंगलूरू से 200 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी थीं।

डीजीसीए ने तेज की जांच

हालांकि दूसरी ओर डीजीसीए ने इंडिगो संकट के बीच अपनी जांच तेज कर दी है। अधिकारी एयरलाइन के मुख्यालय पर तैनात हैं और संचालन पर नजर रख रहे हैं। जांच समिति में जॉइंट डायरेक्टर जनरल संजय ब्रह्मने, डिप्टी डायरेक्टर जनरल अमित गुप्ता, वरिष्ठ एफओआई कपिल मंगलीक और एफओआई लोकेश रामपाल शामिल हैं। समिति का काम इंडिगो में बड़े पैमाने पर संचालन में हुई गड़बड़ी के कारणों की पहचान करना है।

गहन जांच के लिए डीजीसीए की तैयारी

समिति एयरलाइन के मानव संसाधन योजना, फ्लक्चुएटिंग रोस्टर सिस्टम और पायलटों के नए ड्यूटी पीरियड और रेस्ट नियमों के पालन की भी समीक्षा करेगी, जो एक नवंबर से लागू हुए हैं। ऐसे में डीजीसीए ने पूरी तरह से साफ किया है कि एयरलाइन संचालन में खामियों की जड़ तक पहुंचने के लिए सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी।

एयरलाइन ने किया था मुआवजे का ऐलान

गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने हालिया संकट से प्रभावित हुए यात्रियों के लिए रिफंड के बाद अब अतिरिक्त मुआवजे का एलान किया है। हालांकि, यह राहत सिर्फ कुछ चुनिंदा यात्रियों को ही मिलेगी। इंडिगो ने कहा है कि अगर यात्रियों ने अपने टिकट किसी ट्रैवल पार्टनर प्लेटफॉर्म से लिया है तो उनके रिफंड के लिए सारी कार्रवाई शुरू कर दी गई हैं। हालांकि, एयरलाइन के पास सिस्टम में ऐसे यात्रियों की पूरी जानकारी नहीं है। ऐसे में वे यात्री इंडिगो की ईमेल आईडी- customer.e&perience@goindigo.in पर जानकारी दे सकते हैं। हम उनकी सहायता जारी रखेंगे।

आईएएस वर्मा को बर्खास्त करने केंद्र को भेजा प्रस्ताव

सपाक्स ने कहा -एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी हो

भोपाल ■ अमृत दर्शन

ब्राह्मण बेटियों पर विवादित टिप्पणी केबाद विवादों में घिरे आईएएस संतोष शर्मा पर हुई कार्रवाई से सपाक्स संतुष्ट नहीं है। सपाक्स पार्टी ने एफआईआर और गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि निलंबन कर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाए। संतोष वर्मा फर्जीवाड़ा कर के आईएएस अफसर बने हैं। सपाक्स पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हीरालाल त्रिवेदी ने कहा कि हम संतोष वर्मा पर हुई कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। संतोष पर एफआईआर हो और उनकी गिरफ्तारी की जाए। निलंबन कर प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि शुरू से हमारी यही मांग रही है। संतोष वर्मा फर्जीवाड़ा कर आईएएस बना है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि आईएएस संतोष वर्मा सिविल सेवा आचरण का बार बार उल्लंघन करते है। पहली उत्पीड़न, फर्जी दस्तावेज, समेत अन्य कई मामले वर्मा पर है। ऐसे अधिकारी को आईएएस पद पर रहने का अधिकार नहीं है। सचिव पद से हटाना कोई बड़ी कार्रवाई नहीं है। तस्कर की बहन मंत्री प्रतिमा बागरी और देश की बेटी सोफिया पर विवादित बयान देने वाले मंत्री विजय शाह पर भी कार्रवाई नहीं की। सरकार के संरक्षण में ही संतोष वर्मा ने फर्जीवाड़ा किया। इन्हें बर्खास्त करना चाहिए, एफआईआर होना चाहिए और जेल भेजना चाहिए।

स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष आर के सिंह सैनी ने कहा कि संतोष वर्मा राजनीति कर रहे हैं। किसी भी वर्ग का बच्चा हो, मेरिट लिस्ट के आधार पर ही सलेक्शन होता है। संतोष वर्मा के बयान से मैं सहमत नहीं हूं। सभी वर्ग के बच्चे जज बन रहे हैं। दरअसल, संतोष वर्मा ने का वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने हाईकोर्ट पर सवाल खड़े किए थे। संतोष वर्मा ने कहा था कि हाईकोर्ट एसटी-एससी के बच्चों को सिविल जज बनने से रोक रहा हैं।

कांग्रेस बोली- उप सचिव पद से हटाना कोई बड़ा एक्शन नहीं

आंध्र प्रदेश बस हादसा

नौ लोगों की मौत, राष्ट्रपति-पीएम मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आंध्र प्रदेश में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। हादसा अल्लूरी सीताराम राजू जिले में हुआ। चित्तूर जिले से आ रही एक निजी बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। जिस वक्त ये भयानक हादसा हुआ, उस समय यात्री नींद में थे। हादसे पर आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू ने शोक व्यक्त किया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बचाव अभियान शुरू किया। बताया जा रहा है कि बस भद्राचलम के एक मंदिर में दर्शन करने के बाद अन्नावरम जा रही थी। इसमें 35 तीर्थ यात्री सवार थे।

राहुल गांधी ने वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया

लोकसभा में बोले- बच्चों का भविष्य खतरे में प्रदूषण पर सरकार और हमारे बीच पूरी सहमति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार (12 दिसंबर) को सदन के अंदर वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया। इसी के साथ उन्होंने केंद्र सरकार से प्रदूषण की चुनौती से निपटने पर सवाल भी पूछा। राहुल गांधी ने सवाल करते हुए कहा कि इस कठिनाई से निपटने के लिए सरकार के पास अगले चार-पांच साल का क्या रोडमैप है?

राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि हमारे अधिकांश प्रमुख शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोगों को कैंसर हो रहा है। बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। मुद्दे पर मुझे यकीन है कि सरकार और हमारे बीच पूरी सहमति होगी।

इस सदन में हर कोई इस बात से सहमत होगा कि वायु प्रदूषण, और इससे हमारे लोगों को हो रहे नुकसान, एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हम सहयोग करना चाहेंगे। बेहतर होगा कि हम चर्चा को इस तरह से आगे बढ़ाएं। आप यह न कहें कि हमने क्या नहीं किया, बल्कि सीधे इस बात पर ध्यान दें कि हम भविष्य में भारत की जनता के लिए क्या करने जा रहे हैं, हमें कौन से कदम उठाने होंगे।

हम देश को दिखाएंगे कि हम एक साथ काम कर सकते हैं

लोकसभा के बाहर मीडिया से बात करते हुए राहुल ने कहा कि दिल्ली का और बड़े शहरों का जो प्रदूषण है उस पर मैंने बात की। ये एक ऐसा विषय है जिसमें सभी पार्टियां सहमत हो सकती हैं कि हमारा भविष्य, हमारे बच्चों का नुकसान हो रहा है, लोगों को कैंसर हो रहा है, बीमारियां हो रही हैं। मैंने सदन में सुझाव दिया कि हमें सदन में प्रदूषण के मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। इस विषय पर हमें एकमत होना चाहिए कि हम भविष्य की बात करेंगे और इस समस्या को हल कैसे किया जाए उस पर चर्चा करेंगे। हम देश को दिखाएंगे कि हम प्रदूषण के विषय पर एक साथ काम कर सकते हैं।

1000 करोड़ के अवैध कफ सीरप मामले में देश में 25 ठिकानों पर ईडी का छापा

रांची/तुपुदाना। 1000 करोड़ रुपये के अवैध कफ सीरप मामले में पीएमएल अधिनियम के तहत जांच कर रही ईडी की टीम ने रांची के तुपुदाना सहित देश के 25 ठिकानों पर शुक्रवार की सुबह से ही छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी ईडी के लखनऊ स्थित जोनल कार्यालय में दर्ज इंफोर्समेंट केस इफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) के आधार पर चल रही है। रांची के तुपुदाना के औद्योगिक क्षेत्र स्थित शैली ट्रेडर्स में ईडी की टीम सुबह से ही छापेमारी कर रही है। इसके संचालक भोला प्रसाद हैं, जिनके तुपुदाना स्थित एक फ्लैट में भी ईडी की टीम पहुंची है। भोला प्रसाद बनारस पुलिस में दर्ज प्राथमिकी में आरोपी हैं। वे अवैध कफ सीरप मामले के मुख्य आरोपित शुभम जायसवाल के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। उन्होंने भिलाई केमिकल के संचालक जगन्नाथ साहू से तुपुदाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित उक्त प्रतिष्ठान को किराए पर लिया था। यहां पिछले दिनों बनारस पुलिस ने भी छापेमारी की थी।

संक्षिप्त समाचार

637 एलएलबी विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए 3 शिक्षक:छात्रों ने हाईकोर्ट में लगाई याचिका

उज्जैन। उज्जैन स्थित सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के लॉ डिपार्टमेंट में शिक्षकों की गंभीर कमी का मुद्दा अब हाईकोर्ट पहुंच गया है। खास बात यह है कि इस मामले में याचिका छात्रों ने खुद दायर की है और कोर्ट में पैरवी भी वही कर रहे हैं। याचिका स्वीकार करते हुए कोर्ट ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, बार काउंसिल और उच्च शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के लॉ डिपार्टमेंट में शिक्षकों की कमी को लेकर छात्रों ने कई बार विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन समाधान न निकलने पर अब उन्होंने हाईकोर्ट का रुख कर लिया। अपनी पढ़ाई को लेकर चिंतित ये छात्र कोर्ट में खुद ही केस की पैरवी भी कर रहे हैं। लॉ डिपार्टमेंट में कुल 637 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जो पिछले दो महीनों से फैकल्टी की कमी के विरोध में लगातार आंदोलन कर रहे थे। भर्ती नहीं होने से नाराज छात्रों ने विभाग जाना भी बंद कर दिया है। उनका कहना है कि कई बार ज्ञापन देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। विश्वविद्यालय परिसर में भैंस चराकर, मेन गेट पर ताला लगाकर और अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शन करने के बाद भी जब मांगें नहीं सुनी गईं, तो अंतत : वे न्यायालय की शरण में पहुंचे।

जीवित का मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने में अब तक एफआईआर नही

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के उमरधा गांव में बीमा राशि दिलवाने के लिए जीवित बेटे का मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने का मामला चार महीने पहले उजागर हुआ। बनखेड़ी जनपद पंचायत सीईओ द्वारा गठित जांच दल ने जांच में युवक के पिता और चाचा को दोषी पाया। तत्कालीन सचिव ओम प्रकाश पटेल ने उनके प्रमाणन के आधार पर मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किया था। मामला उजागर होने के बाद यह प्रमाणपत्र खारिज कर दिया गया, लेकिन दोषियों पर एफआईआर कराने में देरी हो रही है। जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन ने ग्राम पंचायत सचिव और जनपद पंचायत सीईओ को दोषियों पर तत्काल एफआईआर कराने के निर्देश दिए हैं। ग्राम पंचायत सचिव साहब सिंह पटेल बनखेड़ी थाने में एफआईआर कराने भी आवेदन लेकर पहुंचे, लेकिन अधूरे दस्तावेज होने से थाना प्रभारी विजय सनस ने आवश्यक दस्तावेज लाने को कहा। जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन ने बताया कि ग्राम उमरधा में जीवित युवक का मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाया गया था। बीमा कंपनी से क्लेम के भुगतान के लिए पिता राजेंद्र कुशवाह और चाचा हल्के भैया ने यह झूठा दावा किया। गांव वालों को तब शक हुआ जब राखी के बाद भुजरिया देने उनके घर पहुंचा गया और युवक नर्मदा कुशवाह जीवित मिला।

सागर रेलवे स्टेशन पर 18.65 लाख रुपए संपत्ति कर बकाया

सागर। सागर नगर निगम ने शहर में बड़े संपत्ति कर बकायादारों को नोटिस जारी किए हैं। इसमें निजी संपत्तिकर के साथ ही शासकीय कार्यालय भी शामिल हैं। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने दिसंबर महीने को राजस्व वसूली माह घोषित कर अभियान चलाने और करों की वसूली तेज करने के निर्देश राजस्व विभाग को दिए हैं। अभियान के तहत संपत्तिकर, कचरा प्रबंधन शुल्क, जलकर और व्यवसायिक दुकानों का किराया आदि वसूली के लिए तेज कर दिया गया है।

सर्दी और क्रिसमस त्यौहार की छुट्टियों के दौरान रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए

डॉ. आंबेडकर नगर-तोकुर के बीच चलेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

रतलाम ■ निसं

सर्दी और क्रिसमस त्योहार की छुट्टियों के दौरान रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए मध्य प्रदेश के डॉ. आंबेडकर नगर (महू) से कर्नाटका के तोकुर रेलवे स्टेशन के मध्य 21 से 28 व 23 से 30 दिसंबर को साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटका के कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

शीतकालीन छुट्टियों और क्रिसमस त्योहार के दौरान ट्रेनों में अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के डॉ. आंबेडकर नगर (महू) से तोकुर के मध्य साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन स्पेशल किराए के साथ चलाई जाएगी। गाड़ी संख्या 09304/09303 डॉ. आंबेडकर नगर-तोकुर-डॉ. आंबेडकर नगर स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे चलेगी। यह ट्रेन मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा तथा कर्नाटका के अनेक प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि ट्रेन संख्या 09304 डॉ. आंबेडकर नगर-तोकुर स्पेशल ट्रेन रविवार 21 और 28 दिसंबर 2025 को शाम 16.30 बजे डॉ. आंबेडकर नगर से चलेगी तथा मंगलवार की रात 03.00 बजे तोकुर पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के इंदौर स्टेशन पर शाम 16.55/17.00 बजे, देवास स्टेशन पर शाम 17.38/17.40 बजे, उज्जैन स्टेशन पर शाम 18.20/18.25 बजे नागदा स्टेशन पर शाम 19.10/19.12), रतलाम स्टेशन पर रात 19.35/19.45 बजे आगमन/प्रस्थान होगा। इसी प्रकार वापसी में ट्रेन संख्या 09303 तोकुर-डॉ. आंबेडकर नगर स्पेशल ट्रेन मंगलवार 23 एवं 30 दिसम्बर 2025 को तोकुर से सुबह 05.00 बजे चलेगी तथा बुधवार को दोपहर 15.30 बजे डॉ. आंबेडकर नगर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के रतलाम स्टेशन पर सुबह 10.20/10.30, बुधवार, नागदा स्टेशन पर दोपहर 12.15/12.20, देवास स्टेशन पर दोपहर 13.35/13.40 एवं इंदौर स्टेशन पर दोपहर 14.40/14.45 बजे आगमन और प्रस्थान होगा।

इन स्टेशनों पर रुकेगी ट्रेन: इन ट्रेनों का दोनों दिशाओं में इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा, रतलाम, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, रोहा, मानगांव, खेड, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापूर रोड, वैभववाडी रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाडी रोड, थिविम, करमली, मडगांव, काणकोण, कारवार, अंकोला, गोकर्ण रोड, कुमटा, मुर्डेश्वर, भटकल, मूकाम्बिका रोड बैंदूर, कुंदापुरा, उडुपि, मुल्की, सुरतकल रेलवे स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। ट्रेन पूरी तरह से आरक्षित ट्रेन है, जिसमें थर्ड एसी एवं थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के कोच रहेंगे।

गाड़ी संख्या 09304 डॉ. आंबेडकर नगर तोकुर स्पेशल के लिए टिकटों की बुकिंग 13 दिसम्बर 2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों एवं आईआरसीटीसी वेबसाइट के माध्यम से शुरू होगी। यात्रीगण ट्रेन संचालन से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यात्री रेल मदद ऐप अथवा 139 रेल मदद नंबर का उपयोग भी कर सकते हैं।

बाबा रणजीत की प्रभातफेरी में पहुंचे 7 लाख श्रद्धालु

4.5 किमी का सफर तय करने में लगे 7 घंटे, आज से बांटे जाएंगे सवा लाख रक्षा सूत्र

इंदौर ■ निसं

रणजीत अष्टमी के मौके पर इंदौर के रणजीत हनुमान मंदिर से रणजीत बाबा की विशाल प्रभातफेरी निकाली गई। स्वर्ण रथ पर विराजित बाबा के दर्शन पाने के लिए 5.2 डिग्री सेल्सियस की ठंड में छह से सात लाख भक्त पहुंचे। इतनी भीड़ होने के कारण यात्रा को 4.5 किलोमीटर सफर तय करने में 7 घंटे से ज्यादा का समय लगा।

प्रभातफेरी द्रविड़ नगर, महू नाका, दशहरा मैदान और अन्नपूर्णा मंदिर होते हुए वापस मंदिर में संपन्न हुई। यात्रा की शुरुआत सुबह 5 बजे हुई थी, जो दोपहर करीब 12 बजे संपन्न हुई।

मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित दीपेश व्यास के मुताबिक, यात्रा में 3 झांकियां शामिल की गई थीं। एक में भक्तों को आशीर्वाद देते हुए राम दरबार, दूसरे में माता अंजनि की गोद में भगवान हनुमान लला और तीसरे में रणजीत लोक का प्रेजेंटेशन दिखाया गया।

71 भजन मंडली भी आई थीं। इनमें तीन महाकाल की मंडली थी। यात्रा के बाद सवा लाख रक्षा सूत्र बांटा जाना है। कुछ आज तो बाकी रोज बांटे जाएंगे।

प्रभातफेरी की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी। यहां 70 सीसीटीवी, 4 ड्रोन कैमरे, 600 से अधिक पुलिसकर्मी सुबह 3 बजे से ही पूरे मार्ग पर तैनात थे। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी लगातार मौके पर मौजूद रहे। 15 वॉच टावरों से पुलिसकर्मी भीड़ पर नजर रखे हुए थे।

प्रभातफेरी में सबसे आगे पुलिस बल, प्रचार वाहन, बैनर, बैंड, ध्वज वाहक, झांकियां, महाकाल मंडलियां, महिला मंडल, एलईडी झांकियां, अतिथि वाहन और अंत में रणजीत बाबा का स्वर्ण रथ था। इसके बाद सफाई टीम और एम्बुलेंस चल रही थी।

आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड तैयार

प्रभातफेरी में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 3 एम्बुलेंस नरेंद्र तिवारी मार्ग, महू नाका चौराहा और दशहरा मैदान पर तैयार रखी गई थीं। 3 फायर ब्रिगेड गाड़ियां भी तैनात थीं। मार्ग पर बने सभी मंच लेफ्ट साइड पर लगाए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित न हो।

असली पुलिस को नकली समझ डेढ़ घंटे कमरे में बंद रहा बुजुर्ग

दरवाजा पीटते रह गए पुलिसकर्मी

छिंदवाड़ा ■ निसं

छिंदवाड़ा में साइबर ठगों ने 74 वर्षीय किशोर ढोक को फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट का झांसा दिया, जिससे बुजुर्ग ने पुलिस के लिए भी दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया। पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाकर उन्हें सुरक्षित किया।

छिंदवाड़ा में साइबर ठगों ने शहर के विवेकानंद कॉलोनी में रहने वाले 74 वर्षीय किशोर भास्करराव ढोक को ऐसे जाल में फंसाया कि उन्होंने अपने ही घर का दरवाजा पुलिस के लिए खोलने से इनकार कर दिया। फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर आए कॉलर ने उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी सिम और आधार कार्ड से धोखाधड़ी हुई है और अब वे डिजिटल अरेस्ट में हैं। ठगों ने यह भी कहा कि बाहर यदि कोई पुलिस पहुंचे तो वह नकली होगी।

पुलिस पहुंची तो बोले- मैं अरेस्ट हूं, दरवाजा नहीं खोल सकता: सुबह 11.30 बजे आए वॉट्सएप कॉल के बाद से बुजुर्ग ठगों के नियंत्रण में थे। जब पड़ोसी ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी तो टीआई आशीष धुर्वे टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीआई ने जैसे ही दरवाजा खोलने को कहा, बुजुर्ग ने अंदर से जवाब दी 'मैं डिजिटल अरेस्ट हूं, दरवाजा नहीं खोल सकता। बाहर जो पुलिस खड़ी है, वो असली नहीं है।' करीब आधे घंटे के समझाने-बुझाने और भरोसा दिलाने के बाद ही बुजुर्ग ने दरवाजा खोला।

पत्नी ने बताया, पड़ोसी ने दी सूचना: घटना के दौरान पत्नी कल्याणी ढोक ने हिम्मत दिखाते हुए पड़ोसियों को जानकारी दी। पड़ोसी ने तुरंत टीआई धुर्वे को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ठगों से बात करने की कोशिश की, लेकिन ठग ने कॉल काट दिया। समय पर पुलिस के पहुंचने से बुजुर्ग आर्थिक ठगी का शिकार होने से बच गए।

फर्जी एफआईआर दिखाई, आधार कार्ड नंबर भी ले लिया

किशोर ढोक ने बताया कि कॉलर ने खुद को दिल्ली टेलीकॉम ऑफिस का अधिकारी बताया था। उसके बाद एक फर्जी टीआई ने वीडियो कॉल पर उनका आधार नंबर लिया और मोबाइल स्क्रीन पर नकली एफआईआर दिखाकर कहा कि उनकी सिम आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल हुई है। ठग ने निर्देश दिया कि वे कमरे में रहें, किसी से बात न करें और जब तक कहा न जाए, दरवाजा न खोलें। इस दौरान बुजुर्ग पूरी तरह दहशत में आ गए।

होस्टल संचालिका के घर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सीसीटीवी से पुलिस पहुंची आरोपी तक, नकदी और जेवर बरामद किए गए

इंदौर ■ निसं

इंदौर के पलासिया क्षेत्र में एक होस्टल संचालिका के घर 10 दिन पहले हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पलासिया पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चोरी गया माल भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी का पीछा करते हुए पुलिस खजराना तक पहुंची और सुराग के आधार पर उसे महाराष्ट्र से पकड़ा। आरोपी कई सालों से इंदौर में ही रह रहा था।

टीआई सुरेंद्र रघुवंशी की टीम ने गीता अपार्टमेंट में रहने वाली उषा कदम के घर हुई चोरी के मामले में मोहम्मद रफीक को गिरफ्तार किया है। वह लाखों रुपए नकदी, सोने के जेवर और अन्य सामान चुराकर ले गया था। करीब तीन घंटे बाद जब उषा लौटकर आईं, तो उन्हें फ्लैट के ताले टूटे मिले। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

पुलिस ने पहले घर के पास लगे कैमरे चेक किए, लेकिन वे क्षतिग्रस्त थे। इसके बाद आसपास के अन्य कैमरों की फुटेज

खंगाली गई, जिनमें आरोपी रफीक एक बैग लेकर जाता हुआ दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर पुलिस खजराना तक पहुंची, जहां मुखबिरों से जानकारी मिली कि मोहम्मद रफीक चोरी करता है और उसके खिलाफ पहले भी अपराध दर्ज हैं।

रफीक मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला है। चोरी करने के बाद वह वहीं भाग गया था। पुलिस टीम उसके पीछे महाराष्ट्र पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से चोरी गए आभूषण भी बरामद किए गए हैं।

22 दिसंबर से शुरू हो रही इंदौर-रीवा सीधी फ्लाइट

इंडिगो करेगी संचालन; उप मुख्यमंत्री बोले- हवाई सेवा शुरू होने से विंध्य क्षेत्र को लगेंगे पंख

इंदौर ■ निसं

इंदौर से रीवा के लिए 22 दिसंबर से सीधी फ्लाइट शुरू होने जा रही है। इस फ्लाइट का संचालन इंडिगो एयरलाइंस द्वारा किया जाएगा। यह फ्लाइट सुबह 11.30 बजे इंदौर से रवाना होगी और 1 घंटे 45 मिनट बाद यानी दोपहर 1.15 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेगी। कंपनी ने इस फ्लाइट के लिए बुकिंग शुरू कर दी है। हालांकि इंडिगो क्राइसेस को देखते हुए एविएशन इंडस्ट्री से जुड़े लोगो का कहना है की यह देखने वाली बात होगी की यह फ्लाइट का संचालन समय पर होता है या नहीं।

इंदौर प्रवास पर आए उप मुख्यमंत्री डॉ. शुक्ल ने बताया कि 22 दिसंबर से इंदौर-रीवा हवाई सेवा प्रारंभ की जा रही है। इस सेवा के प्रारंभ होने से विंध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी। विंध्य क्षेत्र के सतना, सीधी, शहडोल, मऊगंज आदि क्षेत्रों के नागरिक व्यापार, व्यवसाय एवं शिक्षा की दृष्टि से इंदौर आते हैं।

आज यहां करीब एक लाख लोग विंध्य क्षेत्र के निवासरत हैं: हवाई सेवा शुरू होने से उन्हें यह सुविधा मिलेगी। इंदौर-रीवा हवाई सेवा शुरू होने के बाद विंध्य के नागरिक इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के लिए जा सकते हैं। डॉ. शुक्ल ने कहा कि पिछले दिनों ही रीवा से दिल्ली के लिए हवाई सेवा शुरू की गई है। जिसका बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। विंध्य क्षेत्र का विकास अब और तेजी गति से होगा। वहां पर अभयारण्य, बांध, जलप्रपात आदि बन जाने के कारण इस क्षेत्र में विकास ने एक नई करवट ली है। रीवा में अधिकांश रोड फोरलेन और सिक्सलेन है। रीवा सड़क, रेल मार्ग और अब हवाई मार्ग से जुड़ने के कारण यहां विकास और तेज गति से होगा।

यह है फ्लाइट का शेड्यूल: इंदौर से फ्लाइट 6E7363 सुबह 11.30 बजे इंदौर से रवाना होगी और 1 घंटे 45 मिनट बाद यानी दोपहर 1.15 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेगी। रीवा से फ्लाइट 6E7363 दोपहर 1.35 बजे रवाना होगी और 1 घंटे 50 मिनट बाद यानी दोपहर 3.25 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेगी।

तीन कैटेगरी में कर रही कंपनी बुकिंग

इंदौर से रीवा के लिए शुरू होने वाली फ्लाइट के लिए इंडिगो में बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी इस फ्लाइट के लिए तीन कैटेगरी में बुकिंग कर रही है। पहली कैटेगरी सेवर फेयर है जिसका किराया 5,203 रुपए है, दूसरी कैटेगरी फ्लेक्सी प्लस फेयर है जिसका किराया 5,518 रुपए है वहीं तीसरी कैटेगरी सुपर 6E फेयर है, जिसका किराया 6,778 रुपए है।

कार सवार ने गार्ड को कुचलने की कोशिश की

ग्वालियर के कश्मीरी बाजार की घटना, नशे में धुत था ड्राइवर; केस दर्ज

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के कश्मीरी बाजार में गुरुवार रात शराब के नशे में धुत तीन युवकों ने अपनी कार से एक सुरक्षा गार्ड सेवाराम धाकड़ को कुचलने का प्रयास किया। यह पूरी घटना बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। गार्ड ने समय रहते हटकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, कार में सवार तीनों युवक नशे की हालत में कश्मीरी बाजार में घुस गए थे। वहां तैनात गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस पर युवकों ने गार्ड को कार के नीचे कुचलने का प्रयास किया। गार्ड के सामने से हटते ही तीनों युवक कार लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पड़ाव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

मामले की जांच जारी: पुलिस ने कार नंबर MP07 CK 870 के आधार पर मालिक की पहचान विनोद राणा निवासी गेंडे वाली सड़क के रूप में की। जब पुलिस विनोद राणा के घर पहुंची, तो पता चला कि वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गए हुए हैं।

फिलहाल, पुलिस ने कश्मीरी बाजार के गार्ड की शिकायत पर कार मालिक और उसमें सवार अज्ञात युवकों के खिलाफ यातायात अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

ओशो के जन्मदिन पर देश-विदेश से जबलपुर पहुंचे अनुयाई

कथावाचक मुरारीबापू ने मौलश्री वृक्ष को ओशो ट्री का नाम दिया, कहा- यह तपोभूमि

जबलपुर ■ निसं

मध्यप्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर ओशो की ज्ञान स्थली के नाम से पूरी दुनिया में मशहूर है। हर वर्ष 11 से 15 दिसंबर तक उनके जन्मदिन में सैकडों अनुयाई जबलपुर पहुंचते हैं, और उस स्थान पर जाते हैं जहां रजनीश ओशो ने मौलश्री वृक्ष के नीचे बैठकर साधना की थी। कथावाचक मुरारी बापू भी ओशो के जन्म दिन में शामिल होने पहुंचे।

वो कुछ दिनों से जबलपुर में रुके हुए हैं, और रामकथा कर रहे है। सैकड़ों ओशो भक्तों के साथ बापू

भंवरताल पार्क स्थित मौलश्री वृक्ष पहुंचे जहां उन्होंने ओशो ध्यान स्थल का नामकरण किया, इस दौरान जबलपुर महापौर भी उनके साथ मौजूद रहे।

मौलश्री वृक्ष में ऐसे अनुयाई भी नजर आए जो की ओशो के ध्यान में लिप्त होकर, आंखें बंद कर मौलश्री वृक्ष से लिपटे रहे। न सिर्फ भारत बल्कि विदेश से भी भक्त पहुंचे। उन्होंने बताया ओशो के बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जबलपुर में बीते चार दिनों से अलग-अलग स्थान पर ओशो का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है।

कथावाचक मुरारी बापू ने कहा कि भंवरताल में ओशो ध्यान स्थली और नवनिर्मित ओशो पद का लोकार्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि ओशो ध्यान स्थल के साथ मौलश्री वृक्ष भी धर्म और अध्यात्म के प्रतीक है। यहां आकर एक अलग ही सुख की प्राप्ति हुई है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में राम कथा करता हूं, लेकिन इसके साथ ही ओशो के जीवन पर भी मैं कई बार कथा में चर्चा कर चुका हूं।

मुरारी बापू ने बताया कि ओशो ट्री के नीचे ही उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था, इसे इतना संभाल कर रखा है। कथा वाचक ने कहा कि किसी महापुरुष को जब किसी वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति होती है, तो वह वृक्ष भी प्रकाशित होता है। भगवान बुद्ध को बोधि वृक्ष के नीचे प्रकाश हुआ था, वह वृक्ष भी भगवान बुद्ध के द्वारा प्रकाशित हो गया।

पुणे से आई मां धन्यरूपा ने बताया कि मैं बचपन से ओशो रजनीश को सुनते आ रही हूं। घर में टेप रिकॉर्डर था तो उनकी कैसेट से सुना करते थे। 12 साल पहले संन्यास लेकर, पूरी तरह से ओशो के प्रति समर्पित हो गए हैं।

जीवाजीगंज फाटक के पास अचानक मोड़ लेने से हुआ हादसा

ट्रैक्टर से भिड़ी बाइक, घायल युवक ने तोड़ा दम:तेज रफ्तार में था ट्रैक्टर

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के मोहना में गुरुवार शाम एक सड़क हादसा हो गया। सड़क पर आगे जा रहे एक ट्रैक्टर में पीछे से एक बाइक सवार जा टकराया। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान रात में उसकी मौत हो गई। हादसा जीवाजीगंज फाटक के पास हुआ। राहगीरों ने पुलिस को बताया कि ट्रैक्टर चालक तेज रफ्तार में

वाहन चला रहा था। जीवाजीगंज फाटक के पास पहुंचते ही उसने अचानक बिना कोई इंडिकेटर दिए ट्रैक्टर को मोड़ दिया। तभी पीछे से आ रहे बाइक सवार ने ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन तेज गति के कारण वह ट्रैक्टर से जा टकराया।

मृतक की पहचान मोहना के दौरार गांव निवासी 24 वर्षीय प्रेमचंद पुत्र भगवती प्रसाद धाकड़ के रूप में हुई है। सुबह किसी काम से वह चौराई गांव गया था और शाम को बाइक से घर लौट रहा था। जीवाजीगंज फाटक के पास पहुंचते ही सामने चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के अचानक मोड़ लेने से उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और टकरा गई।

देर रात हुई मौत: टक्कर के बाद प्रेमचंद सिर के बल सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

21 दिसंबर से भोपाल मेट्रो में फ्री सफर : एक हफ्ते तक नहीं लेना पड़ेगा टिकट

वर्चुअली जुड़ेंगे पीएम, केंद्रीय मंत्री खट्टर दिखाएंगे हरी झंडी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में मेट्रो का कमर्शियल रन 21 दिसंबर को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इवेंट में वर्चुअली जुड़ेंगे। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर मेट्रो का उद्घाटन करेंगे। वे फूलों से सजी 3 कोच की मेट्रो से भोपाल को देखेंगे। पहले सप्ताह में लोग निशुल्क यात्रा कर पाएंगे। कमर्शियल रन की तारीख में बदलाव भी हो सकता है। 21 की जगह 20 दिसंबर को ही मेट्रो की शुरुआत हो सकती है। हालांकि, सीएम डॉ. मोहन यादव खजुराहो के कन्वेंशन सेंटर में 21 दिसंबर को मेट्रो की शुरुआत करने की बात कह चुके हैं। इससे पहले कमर्शियल रन के कार्यक्रम को लेकर बीजेपी संगठन, सरकार और अफसरों के बीच मंथन का दौर जारी है।

CMRS दे चुकी ग्रीन सिग्नल, अब सिर्फ हरी झंडी का इंतजार: बता दें कि कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (CMRS) की टीम ने भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए ग्रीन सिग्नल दे दिया है। सीएमआरएस टीम 12 नवंबर को भोपाल पहुंची थी। 13, 14 और 15 नवंबर को टीम ने डिपो से लेकर ट्रैक और ट्रेन तक निरीक्षण किया था। कमिश्नर नीलाभ्र सेनगुप्ता के साथ टीम ने

मेट्रो के नट-बोल्ट भी देखे थे।

अफसर बोले- काम बचा, लेकिन कमर्शियल रन पर असर नहीं: भोपाल मेट्रो से जुड़े अफसरों का कहना है कि ऑरेंज लाइन के कमर्शियल रन के लिए वे सभी काम पूरे हो चुके हैं, जो जरूरी है। स्टेशनों का कुछ काम जरूर बचा है, लेकिन उससे कमर्शियल रन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

हालांकि, स्टेशन के बाहर जरूरी काम निपटाए जा रहे हैं। बुधवार को सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के बाहर सड़क निर्माण किया गया। ऐसा ही रानी कमलापति, एमपी नगर, केंद्रीय स्कूल, डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स में भी बाकी बचे कामों पर फोकस रहा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, प्राइवेट गार्ड तैनात: मेट्रो के कमर्शियल रन और पीएम मोदी के आने की खबरों के चलते सभी मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मेट्रो ने स्टेशनों पर प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड तैनात किए हैं।

शुक्रास्त एवं खरमास के प्रभाव से लंबे समय तक विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं होंगे

- शुक्र के धनु राशि में परिवर्तन से बनेगा त्रिग्रही योग।
- दोअंगारक ग्रहों की चपेट में आएगा शुक्र।
- शुक्र के अस्त होने से मौसम में होगा बदलाव, फिर से बनेंगे बादल बूंदाबांदी के योग।
- फिल्म ,कला जगत पर पड़ेगा भारी शुक्रास्त्र।

भोपाल ■ अमृत दर्शन

13 दिसंबर शनिवार को रात्रि 2:06 पर शुक्र ग्रह पूर्व दिशा में अस्त हो रहे हैं फिल्म, कला, दंपति सुख ,मनोरंजन आदि के कारक ग्रह के अस्त होने से विवाह आदि मांगलिक कार्यों में बाधाकारी है। शुक्र के अस्त होने का प्रभाव विवाह मुहूर्त पर रहेगा, साथ ही देश-विदेश में अंगारक योग और सूर्य,मंगल के साथ शुक्र का मिलन त्रग्रही योग बना रहा है यह फिल्म जगत पर भारी है।

शुक्रास्त होने से वर्षा बादल बूंदाबांदी के योग फिर से बनेंगे ,ठंडी में कमी आएगी।

तारीख 20 दिसंबर को शुक्र ग्रह के धनु राशि में पहुंचने पर देश-विदेश में बदलाव पूर्ण स्थितियां बनेगी। अंगारक सैन्य क्षेत्र मंगल एवं सूर्य के प्रभाव में शुक्र का आना अनेक जगह सैन्य कार्यवाही के संकेत देता है साथ ही भूकंप आदि प्राकृतिक प्रकोप भी दे सकता है

धनु की संक्रांति तारीख 16 को होगी एवं शुक्र आगामी 2 फरवरी 2026 को पश्चिम दिशा में उदित होंगे इसके पश्चात ही विवाह आदि के मुहूर्त योग प्रारंभ होंगे फरवरी में ही विवाह के मुहूर्त अत्यधिक रहेंगे

तारीख 4 5 6 10 11 12 14 19 20 21 24 25 26 और मार्च 2026 में तारीख 9 10 11 12 14 को विवाह मुहूर्त हैं पश्चात मीन की संक्रांति के प्रभाव से विवाह एक मा ह रुक जाएंगे पुन: 15 अप्रैल से प्रारंभ होंगे।

-पंचांगकार पंडित विनोद गौतम ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

संक्षिप्त समाचार

धोखाधड़ी के मामले में भाजपा नेता सहित तीन गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल की टीटी नगर पुलिस ने बीजेपी के भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भगत सिंह कुशवाहा समेत तीन आरोपियो को

गिरफ्तार किया है। इन तीनों पर कुशवाहा भवन पर फर्जी दस्तावेजों से कब्जा करने के आरोप थे। इसकी शिकायत टीटी नगर थाने में दर्ज है। गिरफ्तारी की कार्रवाई बुधवार देर रात की गई है। अगले दिन तीनों को कोर्ट में पेश किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 15 साल पहले कुशवाहा समाज को आवंटित भवन के फर्जी दस्तावेज तैयार कराए थे। और इन्हीं के आधार पर वह भवन पर कब्जा रखकर ऑफिस और गर्ल्स हॉस्टल संचालित कर रहे थे। इस मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल भानपुर के बेटे सीताराम कुशवाहा और मोहन कुशवाहा को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों पर समाज की संपत्ति को निजी उपयोग में लेने का आरोप है।

उपयंत्री 30 हजार की घूस लेते पकड़ाया, लोकायुक्त ने दबोचा

भोपाल। भोपाल लोकायुक्त टीम ने राम गोपाल यादव, उप यंत्री, जनपद पंचायत लटेरी जिला विदिशा को उसके घर से ही 30 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथ दबोचा है। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार फरियादी कन्हैया लाल शर्मा, निलंबित पंचायत सचिव ग्राम पंचायत धीरगढ़ और लाखन सिंह लोधी (40), निवासी धीरगढ़ तहसील लटेरी जिला विदिशा ने एसपी लोकायुक्त भोपाल दुर्गेश राठौर लिखित शिकायत करते हुए बताया की कन्हैया लाल शर्मा के पंचायत सचिव रहते हुए लगभग एक माह पूर्व ग्राम पंचायत धीरगढ़ में हुए सीसी सड़क निर्माण के मूल्यांकन हेतु आरोपी राम गोपाल यादव द्वारा 40 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही थी। आवेदन की शुरुआती जॉच रिश्वत मांगने की शिकायत सही पाए जाने लोकायुक्त टीम ने आरोपी को रंगे हाथो पकड़ने के लिये योजना बनाई। प्लानिंग के मुताबिक रकम के संबध में फरियादी की फोन पर आरोपी से बातचीत कराई गई। सौदा 30 हजार में तय होने पर आरोपी राम गोपाल ने रकम लेकर गुरुवार 11 दिसंबर को फरियादी को अपने निवासी ड्रीम सिटी कॉलोनी, हतोड़ा, गंजवासोदा जिला विदिशा पर बुलाया। फरियादी रकम लेकर आरोपी के घर पहुंचा। वहॉ आरोपी ने जैसै ही फरियादी से 30 हजार की रिश्वत की रकम अपने कब्जे में ली। वैसै ही वहॉ पहले से जाल बिछाकर बैठी लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथो धर दबोचा। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओ के तहत कार्यवाही की जा रही है। ट्रेप टीम में डॉ आर के सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, अजय मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक, प्र. आर यशवंत ठाकुर, आर. चैतन्य प्रताप सिंह, मनमोहन साहू और चालक अमित विश्वकर्मा शामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने आंध्रप्रदेश के धर्मावरम में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

अटलजी भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना की तरह पवित्र थे : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्र सेवा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। वे हिमालय के समान विराट व्यक्तित्व के धनी थे। पूरी दुनिया में उनका एक अलग ही सम्मान है। वे भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना की तरह पवित्र थे। आज आंध्र प्रदेश में उनके जन्मशताब्दी वर्ष में 15 दिवसीय अटल ज्योति संदेश यात्रा की शुरुआत हुई है। यह यात्रा आंध्र प्रदेश के 20 जिलों तक पहुंचेगी और 25 दिसंबर को स्व. वाजपेयी की जयंती के अवसर पर यात्रा का समापन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आंध्र प्रदेश के सत्य साईं जिले के धर्मावरम में स्व. वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी हुआ है। स्व. वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1923 को ग्वालियर के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उन्होंने देश-दुनिया में अपनी प्रतिभा के बल पर नाम कमाया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ श्री वाजपेयी के घनिष्ठ संबंध रहे। उनके कार्यकाल में

ही श्री नायडू एनडीए के प्रेसिडेंट बने थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को धर्मावरम में अटल ज्योति संदेश यात्रा में सहभागिता की एवं स्व. वाजपेयी की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटलजी ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनकर देश की जनता की सेवा की। पोखरण में परमाणु परीक्षण किया। कारगिल में पाकिस्तान को सबक सिखाया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सौगात दी। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के बताए मार्ग पर देश की सरकार चल रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायडू की दोस्ती पक्की है। श्री चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार में मुख्यमंत्री हैं। वे आंध्र प्रदेश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश भी विकास के पथ पर अग्रसर है। एनडीए ने भगवान श्रीकृष्ण के वंशज को मध्यप्रदेश की कमान सौंपी है। आंध्र प्रदेश में श्री नायडू ने सत्या जी को आगे बढ़ाया है। यही सबका साथ-सबका विकास का संकल्प है। जनता के चेहरे के भाव देखकर ऐसा लग रहा है कि आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश दो बिछड़े भाइयों के समान हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज, सागर माला, भारत माला, स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया जैसी योजनाएं दी हैं। आज हम प्रधानमंत्री श्री मोदी और श्री नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश और देश को आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंध्र प्रदेश के पार्टी अध्यक्ष श्री टीवीएन माधव को अटल ज्योति संदेश यात्रा के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि अटल ज्योति संदेश यात्रा से आंध्र प्रदेश की जनता को स्व. वाजपेयी के जीवन के विविध पहलुओं से परिचित होने का अवसर मिलेगा। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी कहते थे कि अपना हृदय विशाल बनाओ। सबके साथ, सबके लिए काम और विकास करो। स्व. वाजपेयी की पंक्तियां याद आती हैं- छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। कार्यक्रम में विधायक श्री मधुसूदन रेड्डी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित थे।

वनरक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाला भोपाल से गिरफ्तार

प्रिंटिंग प्रेस के आरोपी बाइंडर ने बेचा 23 लाख में

भोपाल ■ अमृत दर्शन

वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2022 के बड़े पेपर लीक कांड में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने भोपाल की प्रिंटिंग प्रेस से पेपर चुराकर मास्टरमांइड का बेचने वाले आरोपी केडी डॉन को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी ने यह पेपर 23 लाख रुपए में बेचा था, जिसकी रकम नकद और ऑनलाइन के जरिये से कई किस्तो में ली थी। अधिकारियो के अनुसार 13 नवंबर 2022 को हुई वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर गोविंदपुरा स्थित रूचि प्रिंटिंग प्रेस में बाइंडिंग का काम करने वाले खिलान सिंह उर्फ केडी डान ने प्रेस से ही पेपर निकालकर 23 लाख रुपए में मुख्य आरोपी जबरा राम जाट तक पहुंचाया था। बीते दिनो गिरफ्तार जबरा राम से की गई पूछताछ में खिलान सिंह का नाम सामने आया। इसके बाद एसओजी की टीम ने तीन दिन तक भोपाल में डेरा डाल कर उसे पकड़ लिया। आरोपी खिलान सिंह निवासी चोपड़ा कला (सुखी सेवनिया, भोपाल) बेल कंपनी में कार्य करता था। जांच में सामने आया कि 13 नवंबर 2022 को आयोजित वनरक्षक भर्ती परीक्षा की दोनों पारियों के पेपर इसी प्रेस में छपे थे। खिलान सिंह ने अपने संपर्कों का उपयोग कर पैकिंग से पहले ही पेपर बाहर निकाल लिए। पूछताछ में उसने प्रेस के कई कर्मचारियों के नाम भी बताए हैं, अब एसओजी उनकी भी तलाश कर रही है।

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड, प्रदेश के 5 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड इस कदर हावी है कि तापमान लगातार तीसरी रात भी 5 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। इंदौर, जो आमतौर पर अपेक्षाकृत गर्म माना जाता है, इस बार प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी ज्यादा सर्द हो गया। इंदौर का न्यूनतम तापमान गिरकर 4.5 डिग्री पर पहुंच गया पिछले 10 साल का सबसे निचला स्तर। वहीं पचमढ़ी 4.8 डिग्री पर दर्ज हुआ।

मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए भोपाल, इंदौर, सीहोर, शाजापुर और राजगढ़ में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। राजधानी भोपाल में लगातार छठे दिन कोल्ड वेव की स्थिति बनी हुई है। गुरुवार को इन जिलों के साथ रायसेन में भी तेज शीतलहर चली, जबकि शहडोल में कोल्ड डे रिकॉर्ड

किया गया। प्रदेश के अधिकांश शहरों का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जर्द किया गया। जिसमें रायसेन 5°, रीवा 5.9°, शिवपुरी 6°, उमरिया 6.1°,मलाजखंड 6.8°, नौगांव 7.1°, मंडला 7.3°, खजुराहो 7.4° नरसिंहपुर 8.2°, छिंदवाड़ा 8.4°, सतना 8.6°, दमोह 8.8°, रतलाम 9.2°, श्योपुर-गुना 9.4° भोपाल 6.6°, ग्वालियर 9.2°, उज्जैन 8.2°, जबलपुर 8.5° डिग्री दर्ज किया गया। हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर में जल्दी हुई बर्फबारी का सीधा प्रभाव मध्यप्रदेश के मौसम पर पड़ा है। उत्तरी हवा का रुख तेज होने से प्रदेश में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है।

ऊपरी वायुमंडल में जेट स्ट्रीम तेज गति से सक्रिय है। 12.6 किमी ऊंचाई पर 204 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बह रही यह हवा मध्य प्रदेश में ठंड बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, जेट स्ट्रीम की गति कुछ स्थानों पर 222 किमी/घंटा तक दर्ज हुई है। पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं के साथ इसके सक्रिय होने से ठिठुरन दोगुनी हो जाती है। नवंबर में जहां भोपाल की 84 साल पुरानी ठंड का रिकॉर्ड टूटा, वहीं इंदौर में 25 साल बाद इतनी तीखी सर्द रातें दर्ज हुईं। दिसंबर भी उसी राह पर है। इंदौर में 10 साल का रिकॉर्ड टूट चुका है।

नगर निगम की 'मिनी डिजिटल कलेक्शन सेंटर' बनाने की तैयारी शुरू

लोक अदालत से पहले निगम का डिजिटल टैक्स कलेक्शन पर फोकस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम ने अब वार्ड स्तर पर 'मिनी डिजिटल कलेक्शन सेंटर' बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। नेशनल लोक अदालत से पहले नगर निगम ने इस बार राजस्व वसूली का तरीका बदलने का निर्णय लिया है, जिसकी मांग उपभोक्ता लंबे समय कर रहे थे।

डिजिटललाइजेशन को बढावा देने निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने निर्देश दिए हैं कि सभी 85 वार्डों में अतिरिक्त हैंड-हेल्ड मशीनें, ऑपरेटर और कंप्यूटर तैनात किए जाएं, ताकि नागरिकों को मौके पर ही बिल अपडेट करके भुगतान की सुविधा मिले। एसआईआर में अधिकांश कर्मचारी ड्यूटी पर लगे होने से नोटिस तामील धीमा हुआ था, लेकिन अब निगम लोक अदालत के लिए इसे तेज कर रहा है। निगम का लक्ष्य है कि लोगों को लाइन में लगने की बजाय सीधे वार्ड में ही डिजिटल सुविधा देकर अधिकतम वसूली सुनिश्चित की जाए। डिजिटल कलेक्शन मॉडल में जो सुविधाएं उपलब्ध होगी उनमें हर वार्ड में तत्काल बिल जनरेट-अपडेट, मौके पर ही ऑनलाइन भुगतान की सुविधा, ऑपरेटर के जरिए पुराने बकाए का त्वरित सत्यापन, लंबित मामलों को लोक अदालत से पहले निपटाने की रणनीति शामिल है। निगम को भरोसा है कि सम्पत्तिकर और जलकर में अधिभार पर दी जा रही 25 प्रतिशत से 100 प्रतिशत छूट से नागरिक बड़ी संख्या में भुगतान करने आगे आएंगे। निगम ने आकलन किया है कि इस बार पिछले साल की तुलना में दोगुनी वसूली हो सकती है। टीएल मीटिंग में आयुक्त संस्कृति जैन ने इस बार कागजी प्रगति रिपोर्ट पर भरोसा नहीं करते हुए अधिकारियों से कहा कि सड़क, नालों और बिजली-पानी संबंधी कार्यों की ग्राउंड रिपोर्ट पेश की जाए।

परवाज़ सोशल अवेयरनेस एंड सोसाइटी का सराहनीय प्रयास

छात्रों के भविष्य की तैयारियों को लेकर निशुल्क सेमिनार का आयोजन 14 को

भोपाल ■ अमृत दर्शन

10वीं एवं 12वीं की पढ़ाई के बाद इसमें शामिल छात्रों का अपना कैरियर बनाने और सही गांइडेंस देने के लिये परवाज़ सोशल अवेयरनेस एंड सोसाइटी द्वारा हेतु निशुल्क सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सोसाइटी के सदस्य आबिद मो. खॉन ने जानकारी देत हुए बताया की शहर के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल के रूप में नि:शुल्क काउंसलिंग, परीक्षा मार्गदर्शन एवं मोटिवेशन सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है।

यह सेमिनार विशेष रूप से 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षा के उन विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है, जो आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, और अपने करियर को लेकर सही दिशा-निर्देश प्राप्त करना चाहते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, स्पोर्ट्स पर्सन, सिविल सर्वेंट और साइकोलॉजिस्ट छात्रों को सीधे मार्गदर्शन देंगे। उनके अनुभव और सलाह से विद्यार्थियों को आगामी परीक्षा के साथ-साथ भविष्य की पढ़ाई और करियर विकल्पों के बारे में स्पष्ट मार्ग मिलेगा। सेमिनार का आयोजन रविवार, 14 दिसम्बर 2025 को पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। आबिद खॉन ने आगे बताया की इस सेमिनार में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है, लेकिन सीटें सीमित होने के कारण केवल रजिस्टर्ड छात्रों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

रजिस्ट्रेशन के लिये छात्र इन नंबरों 9753018899, 9827071826, 9303111473, 9826259903 पर संपर्क कर सकते है। परवाज़ सोशल अवेयरनेस एंड सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य है, कि हर छात्र को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिले, चाहे उसकी आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियाँ कैसी भी हों।

अनमोल वचन

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है।
गुरु नानक

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी, छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
तुलसीदास

भारत के विकासीय मानचित्र को नए सिरे से गढ़ने का ऐतिहासिक अभियान

कांतिलाल मांडोत

2026 और 2027 में होने वाली यह प्रक्रिया न केवल जनसंख्या के ठीक-ठीक आंकड़े देगी बल्कि घरों और परिवारों की वास्तविक परिस्थितियों का अद्यतन चित्र भी प्रस्तुत करेगी ।सरकार ने यह तय किया है कि पहला चरण वर्ष 2026 में होगा जिसमें घरों की लिस्टिंग और आवास संबंधी विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। यह चरण 30 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत में जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह भर नहीं होती बल्कि यह वह आधारशिला है जिसके ऊपर देश की नीतियाँ, विकास योजनाएँ और नागरिकों के अधिकारों की संरचना खड़ी होती है। स्वतंत्रता के बाद से भारतीय जनगणना ने हमेशा समय की आवश्यकताओं के अनुसार स्वयं को विकसित किया है और अब एक बार फिर देश एक बड़े परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। आगामी जनगणना दो चरणों में की जाएगी और इसका स्वरूप पहले की तुलना में अधिक आधुनिक, अधिक पारदर्शी और पूरी तरह से डेटा आधारित होगा। 2026 और 2027 में होने वाली यह प्रक्रिया न केवल जनसंख्या के ठीक-ठीक आंकड़े देगी बल्कि घरों और परिवारों की वास्तविक परिस्थितियों का अद्यतन चित्र भी प्रस्तुत करेगी ।सरकार ने यह तय किया है कि पहला चरण वर्ष 2026 में होगा जिसमें घरों की लिस्टिंग और आवास संबंधी विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। यह चरण 30 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इसके लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपनी-अपनी टाइमलाइन तय करने की स्वतंत्रता दी गई है। यह चरण बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि घरों और परिवारों की सही पहचान आगे होने वाली जनसंख्या गणना की आधारशिला बनती है। वर्षों से यह शिकायत उठती रही है कि कई क्षेत्रों में परिवारों की वास्तविक संख्या और दस्तावेजी आंकड़ों में भिन्नता पाई जाती है। इसी पृष्ठभूमि में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर घरों के अद्यतन डेटा का संग्रह किया जा रहा है, ताकि नागरिकों की पहचान, उनके अधिकारों और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का वास्तविक मूल्यांकन संभव हो सके।

दूसरा चरण वर्ष 2027 में आयोजित किया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य देश की कुल जनसंख्या का विस्तृत और संरचित आंकड़ा प्राप्त करना है। सरकार ने 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे को जनगणना की रेफरेंस डेट घोषित किया है। इसका अर्थ यह है कि गिनती का आधार वह स्थिति होगी जो देश में इस निर्धारित समय पर होगी। हालांकि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनसंख्या गणना इससे पहले सितम्बर 2026 में ही कर ली जाएगी ताकि मौसम संबंधी बाधाओं से प्रक्रिया प्रभावित न हो।

इस जनगणना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें देश की विविधता और सामाजिक संरचना को बेहतर समझने के लिए बेस्ट प्रैक्टिसेज और जाति आधारित डेटा संग्रह का भी समावेश किया जा सकता है। इन विषयों पर मंत्रालयों, विभिन्न यूज़र ऑर्गेनाइजेशन और विषय विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की जा चुकी है और अंतिम ड्राफ्ट को तैयार करने से पहले इसे फील्ड टेस्टिंग के लिए भी भेजा जाएगा। यह कदम अभूतपूर्व है क्योंकि इससे न केवल यह सुनिश्चित होगा कि प्रश्नावली व्यावहारिक है बल्कि यह भी कि गणना की विधि जमीनी हालात के अनुरूप है।

सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि जनगणना लगभग पूरी तरह पेपरलेस होने जा रही है। इसका मतलब यह है कि गणनाकर्मी टैबलेट, मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद से डेटा संग्रह करेंगे। इससे समय की बचत होगी, मानवीय त्रुटियाँ कम होंगी और डाटा का सुरक्षित डिजिटलीकरण तत्काल संभव होगा। डिजिटल प्रक्रिया से पारदर्शिता भी बढ़ेगी क्योंकि डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा और किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना अपने आप कम हो जाएगी।

भारत में पहचान और दस्तावेजों के स्तर पर चल रही सफाई प्रक्रिया का असर भी आगामी जनगणना पर देखने को मिलेगा। सरकार ने 2020 में 2.49 करोड़ राशन कार्ड रद्द किए थे जो या तो डुप्लीकेट पाए गए, अपात्र लाभार्थियों से जुड़े थे या स्थायी स्थांतरण की वजह से उपयोग में नहीं थे। वर्तमान समय में 20.29 करोड़ राशन कार्ड सक्रिय हैं और 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन प्राप्त हो रहा है। यह सुधार जनगणना की विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है क्योंकि सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों की वास्तविक संख्या का पता तभी चलता है जब डेटा सटीक हो। इसी तरह राशन कार्डों की सफाई प्रक्रिया यह संकेत देती है कि जनगणना भी इस बार अधिक शुद्ध और तथ्यात्मक होने वाली है।

देश में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ाने की दिशा में हो रहे अन्य प्रयास भी महत्वपूर्ण हैं। सहारा के 6842 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया इसका सबसे बड़ा उदाहरण है जिसके तहत लाखों जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस मिलने की राह खुली। इसी तरह फार्मा सेक्टर में शुरू किए गए व्यापक ऑडिट के तहत 700 से अधिक कफ सिरप निर्माताओं की जांच की जा रही है ताकि दवाइयों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। यह सभी कदम बताते हैं कि राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में डेटा और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। नई जनगणना भी इसी व्यापक सुधार यात्रा का एक स्वाभाविक विस्तार है।भारत में स्टार्टअप संस्कृति भी पिछले वर्षों में तेजी से बढ़ी है और देश में 1.97 करोड़ स्टार्टअप्स या उद्यमशील इकाइयों का सक्रिय रूप से कार्यरत होना भारतीय अर्थव्यवस्था के नए रूप को दर्शाता है। जनगणना के दौरान एकत्र होने वाला डेटा इन उद्यमों की गतिविधियों, स्थानीय रोजगार, इनोवेशन के केंद्रों और आर्थिक अवसरों के भूगोल को बेहतर समझने का अवसर देगा। इससे भविष्य की औद्योगिक नीति, कौशल विकास योजनाएँ, रोजगार मॉडल और स्टार्टअप सपोर्ट सिस्टम और अधिक प्रभावी बनाए जा सकेंगे। जब कोई देश अपनी जनसंख्या के बारे में तथ्यपूर्ण आंकड़े प्राप्त करता है तब वही डेटा आगे चलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, परिवहन और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाओं की मूल आधारशिला बनता है। भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे राष्ट्र के लिए जनगणना वह आईना है जिसमें देश स्वयं को वस्तुनिष्ठ रूप से देख सकता है। जनगणना का आंकड़ा यह बताता है कि कौन-कौन से क्षेत्र सबसे तेज़ी से बढ़ रहे हैं, किन इलाकों में सुविधाओं की कमी है, किस वर्ग की आबादी किस गति से बढ़ रही है और कहाँ अधिक सरकारी निवेश की आवश्यकता है।आधुनिक जनगणना केवल यह नहीं बताती कि देश में कितने लोग रहते हैं बल्कि यह भी बताती है कि वे कैसे रहते हैं। उनके घरों की स्थिति क्या है, उनके पास कितनी सुविधाएँ हैं। वे किन व्यवसायों से जुड़े हैं, उनकी सामाजिक संरचना क्या है, उनकी आय का स्तर और शिक्षा की स्थिति कैसी है। इस जानकारी के आधार पर ही बीपीएल सूचियों का निर्माण होता है, सामाजिक योजनाओं का आवंटन होता है और भविष्य के लिए बजट तैयार किया जाता है। पेपरलेस जनगणना और घरों की अद्यतन लिस्टिंग से यह सुनिश्चित होगा कि देश की आर्थिक मदद वास्तविक पात्रों तक पहुँचे और योजनाएँ उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकें।भारत की आगामी जनगणना 2026-27 इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि यह केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन है। यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से भारत अपनी वर्तमान स्थिति को समझेगा, अपने भविष्य की दिशा तय करेगा और अपनी नीतियों को अधिक वैज्ञानिक और अधिक इंसान-केंद्रित बनाएगा। आने वाले वर्षों का भारत कितना समावेशी, कितना डिजिटल और कितना सशक्त होगा यह काफी हद तक इस जनगणना पर निर्भर करेगा।

सम्पादकीय

इंडिगो, यात्रियों को तुरंत मुआवजा दे: कोर्ट

एक सप्ताह से ज्यादा समय हो गया। इंडिगो के लाखों यात्री यहां से वहां परेशान हो रहे हैं। एयरलाइंस कंपनी ने डीजीसीए के नियमों का पालन नहीं किया। उसके बाद भी डीजीसीए अतिरिक्त उड़ानों की अनुमति इंडिगो को देती चली गई। इंडिगो एयरलाइंस हवाई यात्रियों को भेड़-बकरी की तरह यहां से वहां मनमाने किराए पर लाने और लेजाने का काम कर रही थी। यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा था। यह कोई पहली बार नहीं हुआ, पिछले कई वर्षों से यात्रियों के साथ हवाई कंपनियां इसी तरह की लूट कर रहीं थी। सरकार और डीजीसीए चुपचाप तमाशा देख रही थी। पहली बार भारत के एयरपोर्ट में यात्रियों की यह बदहाली देखने को मिली है। इंडिगो एवं अन्य एयरलाइंस कंपनियों ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए बड़े पैमाने पर हवाई यात्रियों के साथ लूट करते हुए 5000 की टिकिट 15000 से लेकर 40000 तक में बेचने की मनमर्जी की। हाल ही में एयरलाइंस कंपनियों ने यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाकर 1 लाख रूपये तक में टिकिट बेची, इसके पहले एयरलाइन कंपनियों का ऐसा नंगा नाच देखने को कभी नहीं मिला था। एयरपोर्ट पर छोटे-छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग कई घंटे से लेकर कई दिन तक परेशान होते रहे। उनका सामान एयरलाइंस कंपनी के पास जमा था। एयरपोर्ट में यात्रियों के खाने-पीने के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया। बच्चों और महिलाओं का ध्यान भी नहीं रखा गया। इस मामले की सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की बेंच में हुई। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है, देशभर के एयरपोर्ट पर लाखों यात्री फंस गए। हजारों फ्लाइट कैंसिल हो गई। इस गंभीर संकट पर सरकार ने क्या किया? सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती है। हाईकोर्ट ने सरकार और इंडिगो प्रबंधन से जवाब मांगा है। हवाई यात्रियों और आम नागरिकों की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जिस तरह से इस मामले की सुनवाई की गई है, सरकार, एयरलाइन कंपनियों को जिस तरह से जिम्मेदार माना है, उससे आम नागरिकों के बीच न्याय व्यवस्था पर भरोसा देखने को मिला है। जिन हवाई यात्रियों को संकट का सामना करना पड़ा है। न्यायपालिका ने स्वयं संज्ञान नहीं लिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की सुनवाई करने से मना कर दिया। हाईकोर्ट ने जिस तरह की वैकल्पिक व्यवस्था दी है, उससे लोगों का भरोसा न्याय पालिका के प्रति बढ़ा है। हाईकोर्ट ने कहा एयरलाइन कंपनी तुरंत मुआवजा देने की व्यवस्था करे। उनका सामान एयरलाइंस कंपनी के पास जमा था। एयरपोर्ट में यात्रियों के खाने-पीने के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया। बच्चों और महिलाओं का ध्यान भी नहीं रखा गया। इस मामले की सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की बेंच में हुई। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है, देशभर के एयरपोर्ट पर लाखों यात्री फंस गए। हजारों फ्लाइट कैंसिल हो गई। इस गंभीर संकट पर सरकार ने क्या किया? सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है, इस मामले की जांच कर रही कमेटी की रिपोर्ट 22 जनवरी को सील बंद लिफाफे में कोर्ट मे प्रस्तुत की जाए। इंडिगो के कारण जो संकट आया है, इसकी स्वतंत्रत जांच कराई जाए। जिन लोगों की फ्लाइट कैंसिल हुई, वह एयरपोर्ट में फंसे रहे, अथवा उन्होंने महंगी टिकट लेकर अपनी यात्रा पुरी की है। ऐसे सभी मामलों में एयर लाइन कंपनी यात्रियों को मुआवजा दे। इस मामले में सांसदों ने ट्रिब्यूनल बनाने की मांग की है। हवाई क्षेत्र से जुड़े कैप्टन अमित सिंह का कहना है, कि संकट में फंसे यात्रियों को न्यूनतम 75000 का मुआवजा दिलाया जाए। हवाई यात्रा की सुरक्षा और यात्रियों के हितों को लेकर स्थाई नियम बनाए जाएं। अभी जो स्थिति बनी है। भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति ना हो। वरिष्ठ अधिवक्ता, सांसद विवेक तन्खा ने भी विमान सेवा में कमी को लेकर यात्रियों को जो तकलीफ हुई है, उसके लिए तुरंत मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने भी हवाई कंपनियों और हवाई यात्रियों के लिए नए नियम बनाने की मांग की है। सांसद का कहना था, फ्लाइट में देरी होती है, सुरक्षा में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी स्थिति में एयर लाइन कंपनियों के लिए नियम सख्त बनाने की जरूरत है। जब तक एयरलाइन कंपनियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी, यात्रियों को हुए नुकसान का जब तक मुआवजा नहीं दिया जाएगा, तब तक इस तरह की लापरवाही एयर लाइन कंपनियाँ करती रहेंगी। भारत की साख को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरा धक्का लगेगा। हाईकोर्ट के आदेश से हवाई यात्रियों में आशा की एक किरण जागी है, उनके साथ न्याय होगा।

चिंतन-मनन

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रूकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज। व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में?व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है। उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

यूनेस्को ने दीपावली को विश्व धरोहर घोषित किया

ललित गर्ग

दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे 'अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है।

यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक चेतना का ऐसा महत्त्वपूर्ण क्षण है, जो न केवल भारतीयों को गौरवान्वित करता है बल्कि यह सिद्ध करता है कि भारतीय सभ्यता की आत्मा आज भी मानवता का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखती है। दीपावली मात्र एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन, आत्मा, संबंध, समरसता और विश्वबंधुत्व का प्रकाशग्रंथ है। यह वह विरासत है जो हजारों वर्षों से मानव को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान, ईर्ष्या से प्रेम और भय से विश्वास की यात्रा पर ले जाती रही है।

दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे 'अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है।

जब अयोध्या की रामपैड़ी पर 26.17 लाख दीपकों ने एक साथ जगमग कर दुनिया को चमत्कृत किया, तब वह दृश्य सिर्फ दीयों का समुद्र नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक रोशनी का वैश्विक उद्घोष था, एक ऐसा उद्घोष जिसने दुनिया को यह विश्वास कराया कि भारत की परंपराएं आज भी सार्वभौमिक प्रेरणा शक्ति हैं। यूनेस्को का निर्णय इसी चमत्कार की परिणति है।

दीपावली के केंद्र में केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह पर्व मनुष्य को याद दिलाता है कि हर कठिनाई, हर पीड़ा, हर अंधकार के भीतर एक दीप जलने की संभावना छिपी होती है। हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख परंपराओं में दीपावली का अलग-अलग महत्व है, मगर संदेश एक ही है, प्रकाश का मार्ग ही मानवता का मार्ग है। यही अखंड संदेश अब विश्व स्तर पर मान्यता पा रहा है।

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरें सदैव मानव-कल्याण की प्रेरक रही हैं। कुंभ, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, योग, दुर्गा पूजा जैसी परंपराएँ पहले से विश्व धरोहर सूची में शामिल रही हैं। दीपावली के जुड़ने से यह सूची और उज्जवल हुई है। दीपावली यूनेस्को के उस उद्देश्य को पूर्ण रूप देती है जिसमें कहा गया है कि मानवता की सबसे बड़ी शक्तियाँ वे परंपराएँ हैं जो समय के साथ खो न जाएँ।

दीपावली भारतीय समाज की आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संरचना को एक गहरा संदेश देती है। एक छोटा कुम्हार, जो अपने हाथों से दीए बनाता है, उसी दीये की रोशनी से करोड़ों घर रोशन होते हैं। एक छोटे व्यापारी की दुकान भी दीपावली पर उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी एक बड़ी कंपनी की। यह त्योहार बताता है कि समाज प्रकाश तभी बनता है जब हर व्यक्ति के जीवन में रोशनी पहुंचे। इसीलिए यह उत्सव भारतीय सामुदायिक चेतना का उत्सव है, समता और समान अवसरों का उत्सव है।

दुनिया आज विभाजन, युद्ध, तनाव, भौतिक लालच और मानसिक अंधकार से जूझ रही है। ऐसे समय में दीपावली का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक है कि एक दीप की लौ किसी भी गहन अंधकार को चुनौती दे सकती है। भारत ने सदियों से दुनिया को यही बताया है कि नैतिक साहस, सद्भाव, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा ही सभ्यताओं को टिकाऊ बनाती है। दीपावली इस सत्य का प्रत्यक्ष प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधुनिक सोच और सांस्कृतिक कूटनीति ने भारत की इन अवधारणाओं को दुनिया के सामने नई ऊर्जा के साथ स्थापित किया है। योग की वैश्विक मान्यता हो, आयुर्वेद का उभार हो, रामायण सम्मेलन हों या भारतीय त्योहारों का अंतरराष्ट्रीयकरण, यह सब भारत की सॉफ्ट पावर की विजय है। दीपावली को यूनेस्को सूची में शामिल किया जाना इसी सॉफ्ट पावर की अगली खूबसूरत सीढ़ी है।

मोदी का 'वसुधैव कुटुंबकम' का मंत्र अब भारत की विदेश नीति ही नहीं, बल्कि विश्व-दृष्टि बन चुका है। इसी भावना ने जी20 से लेकर वैश्विक मंचों पर भारत की पहचान को मजबूत किया है। दीपावली का वैश्विक सम्मान इसी मंत्र का विस्तार है, क्योंकि यह त्योहार हर मानव को यह याद दिलाता है कि दुनिया एक है, पीड़ा साझा है, और आनंद भी साझा होना चाहिए।

दीपावली केवल आध्यात्मिक पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मनोविज्ञान भी है। यह मन को खाली नहीं करती, उसे भरती है, उसे बुझाती नहीं, उसे जगाती है। दीपावली मन की धूल झाड़ने, जीवन के प्रति नई आशा जगाने और अपने भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है। यही कारण है कि इसे विश्व धरोहर घोषित करना पूरी मानवता के आध्यात्मिक भविष्य को मान्यता देना है।

वैश्वीकरण के प्रभाव ने दुनिया को तकनीकी रूप से भले ही जोड़ा हो, पर मानसिक रूप से विभाजन बढ़ा दिया है। ऐसे में भारत की सांस्कृतिक विविधता, विशेषकर दीपावली जैसी परंपराएँ, सभ्यताओं के बीच एक दार्शनिक पुल का काम करती हैं। ये त्योहार दुनिया को यह बताते हैं कि जीवन केवल उपभोग नहीं, संवेदना है, केवल प्रगति नहीं, समरसता है, केवल विकास नहीं, मूल्य भी हैं।

ईश्वर मौत दे देना किसी के कदमों मे मत झुकाना

नरेंद्र भारती

ईश्वर मौत दे देना किसी के कदमों मे मत झुकाना। स्वाभिमान बरकरार रखना। आधी रोटी से भूख मिटा देंगें रूखी सूखी खा लेंगे किसी से दाल नहीं मांगेगे ईमान की रोटी देना ईमान की रोटी मे मिठास बहुत होती है। अक्सर देखा गया है की लोग किसी को ऊपर उठाने के बजाए नीचे गिराने मे तत्पर रहते हैं। चरित्रहीन लोग आज दूसरों का चरित्र दागदार करने की फिराक मे रहते हैं हंसी मजाक उड़ाते हैं ऐसे लोग दूसरों से ईर्ष्या करते हैं कीचड़ उछालते हैं लेकिन ऐसे लोगों के मंसूबे पूरे नहीं होते वक़्त ऐसे लोगों को सबक सीखा देता है। वक़्त ने ऐसे लोगों को नेस्तनाबूद कर दिया इनके काले कारनामो को उजागर कर दिया। कुछ तथाकथित अमीर ऐसे इतराते हैं जैसे कुबेर के वंशज हो अपनी औकात भूल चुके हैं कभी दाने दाने को तसरने वाले आज महंगे होटलों मे ब्रेकफास्ट,डिनर करते हैं और दिखावा करते हैं व्हाट्सप्प और फेसबुक पर फोटो शेयर करते हैं। आदमी को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए। आज लोग एक दूसरे से बेबजह ही दुश्मनी रखते है। किसी का आदर सम्मान नहीं करते उल्टा अपमान करते है। आदमी क़ो अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए क्यूंकि अतीत की परछाईयां मरते दम तक पीछा करती हैं। गरीबों का हक छिना जा रहा हैं लेकिन जब गरीब की बद्दुआ लगती है तो लोहा भी भस्म हो जाता हैं इसलिए गरीब क़ो मत सताओ। ईश्वर सजा जरूर देता हैं। आज मानव दिन रात अकूत धन् कमा रहा हैं लेकिन पल भर की खबर नहीं हैद्य आज लोग दूसरों के रास्ते में कांटे बिछाते हैं लेकिन एक दिन ऐसे लोगों क़ो उनके कर्मो की सजा जरूर मिलती हैं कर्म अनिश्चित हैं लेकिन फल निश्चित हैं। मानव क़ो ऐसे कर्म करने चाहिए की समाज याद कर सके। ऐसे लोगों की सहायता कीजिये जो जरूरत मंद हैं। वक़्त एक जैसा नहीं रहता राज क़ो रंक बनने में एक पल नहीं लगता अहंकार त्याग देना चाहिए। आदमी ताउम्र साम, दाम, दंड, भेद, जैसे हथकंडे अपनाकर पैसा इकट्ठा कर रहा हैं। आज लोग संवेदनहिन् हो गया हैं कौन जी रहा कौन मर रहा कोई सरोकार नहीं है। संवेदना मृतप्राय हो चुकी हैं। आधुनिक मानव स्वार्थ व मतलब तक सीमीत हो गया है। यह बहुत ही त्रासदी है। संस्कारों का अंतिम संस्कार होता जा रहा है। नैतिक मूल्यों का पतन हो चूका है। नैतिकता नाम की कोई चीज नहीं है लोग नैतिकता की अदालत में हा रहे हैं। समाज के बुद्धिजीवी लोगों क़ो मंथन करना होगा नैतिक मूल्य क़ो बरकरार रखना होगा तभी समाज में नैतिकता बनी रहेगी। मंज़िल सबकी मौत है फिर यह नफ़रत, भेदभाव क्यों यह मोह माया क्यों जब पता है की एक दिन इस नशवर संसार से रुख़सत होना है तो यह गिले शिकवे क्यों। मानव ताउम्र भटकता रहता है धनलीपसा में मशगुल रहता हैं उल्टा सीधा काम करके माया क़ो इक्क्ठा कर रहा है आदमी क़ो पता है की यहाँ क़ोई अमर नहीं है। अच्छे कर्म कीजिये यही असली कमाई है। मौत का एक दिन मुकरर है मौत सबको आएगी अमर कोई नहीं रहा। आधुनिक मानव जर, जोरू, जमीन के लिए अपनों का खून कर रहा है रिश्तों का कत्लेआम कर रहा हैं। खुनी रिश्ते खत्म होते जा रहे हैं। इंसान क़ो कोई नहीं गिरा सकता इंसान ही इंसान क़ो गिरा रहा है। खुनी रिश्ते दरक रहे हैं इन रिश्तों क़ो बचाना चाहिए। अपने ही काम आते हैं दूसरे तमाशा देखते हैं। आज हालात बहुत ही खराब होते जा रहे हैं लोग सोशल मीडिया व व्हाट्सप्प पर व्यस्त रहते हैं चौबीस घंटे भी कम पड़ते जा रहे हैं अपनों के लिए समय ही नहीं हैं समय का अभाव होता जा रहा हैं। अपनों से मनमुटाव हैं मगर सात समंदर पार अजनवी के लिए समय ही समय हैं अपनों का कभी हाल नहीं पूछते लेकिन अजनबी लोगों की पल पल की खबर ली जाती हैं अपना आस पड़ोस ही काम आएगा विदेशी नहीं काम आएगा। इंसान बनो हैवानियत छोड़ दीजिये बुरे कर्मो को त्याग दीजिये कर्मो को सुधारिये। किसी को गुमराह मत कीजिये। अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत कीजिये। मानव क़ो खुद क़ो इतना बुलंद करना चाहिए कि इस तदवीर से पहले ईश्वर बंदे से पूछे की बता तेरी रजा क्या है।

खास बात

वंदे मातरम पर प्रियंका की वाहवाही

लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस मे प्रियंका गांधी ने सत्ता पक्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर कटाक्ष किया। इस कटाक्ष से वंदे मातरम बहस की सारी वाह -वाही प्रियंका गांधी ने लूट ली ।प्रियंका गांधी ने कहा, सत्ताधारी पार्टी के नेता जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी राजीव गांधी की गलतियां निकालते हैं। 150 साल पहले के वंदे मातरम पर आज चर्चा करने का कोई औचित्य नहीं है। सत्ता पक्ष के लोग संसद में एक बार जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और राहुल गांधी की गलतियों पर जितनी चाहे चर्चा कर लें। उसके बाद देश की वर्तमान समस्याओं पर बात करें। कब तक नेहरू गांधी के पीछे पड़े रहेंगे। वर्तमान को अनदेखा करते रहेंगे। एक बार विशेष सत्र बुलाकर नेहरू गांधी परिवार की सारी गलतियां बता दें।

क्रिकेट के फुग्गे की हवा निकलना शुरू

टी -20 वर्ल्ड कप 2 महीने बाद होने जा रहा है। जिओ हॉटस्टार ने प्रसारण अधिकार से हटने का इरादा जताया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के लिए यह एक बड़ा झटका है। रिलायंस ग्रुप से संबंधित जिओ ने 2025 से 2027 की अवधि के लिए ऑनलाइन प्रसारण का अधिकार खरीदा था। अब इससे कंपनी वापस बाहर निकलना चाह रही है। कंपनी को एक वर्ष में इस कारोबार से 25760 करोड रुपए का नुकसान हुआ है। जिसके कारण उसने करार छोड़ने का अनुरोध आईसीसी से किया है। लोग कहने लगे हैं, अब क्रिकेट के फुग्गे से हवा तेजी से निकलने लगी है। विश्व में आर्थिक मंदी का असर अब क्रिकेट में भी देखा जा रहा है।

रूस के राष्ट्रपति और दिल्ली का प्रदूषण

रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत आए थे। उनके स्वागत सत्कार के लिए भारत सरकार ने बड़ी तैयारी की थी। भारत सरकार ने उनके सामने बड़े-बड़े दावे किए। दिल्ली का वायु प्रदूषण जिस स्तर पर है, उसे रूस के राष्ट्रपति ने भी जाना है। दिल्ली के खुले आकाश में सांस लेने पर उनके जीवन के कितने घंटे कम हुए हैं। इसकी चिंता रूस और पुतिन को होना स्वाभाविक है। यह अलग बात है, भारत अपने मुंह मियां-मिट्ठू बनता है ।रूस सब जानता है।

जिहाद हिंसक- अहिंसक दोनों हो सकता है?

मौलाना मदनी ने जिहाद को लेकर एक नई परिभाषा व्यक्त की है। जिसमें कहा गया है, जिहाद हिंसक और अहिंसक दोनों ही तरीके से हो सकता है। शारीरिक और मानसिक दोनों ही तरीके से हिंसक और अहिंसक तरीके से जिहाद किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा, मोहम्मद का सबसे बड़ा आविष्कार जिहाद था। मदीना में उनके सफल होने का यही सबसे बड़ा कारण था। मौलाना मदनी ने जिहाद की जो नई परिभाषा बताई है। उसे समझने की जरूरत है। उनका कहना है, सोच ही अहिंसक और हिंसक बनाती है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोस्त पूर्वे तिथी, अष्टमी, शुक्रवासरे, पू.फा. नक्षत्रे, प्रीत योगे, कौलवकरणे, सिंह की चंद्रमा, रुकमणी अष्टमी, वृक्षारोपण, शिल्प विद्या व्यापार, धान्य छेदन मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चतुर, चपल, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, तथा इंजीनियर, ठेकेदार, शासकीय, अशासकीय, ठेका, पुलिया रोड निर्माण कराने वाला, उत्तम व्यापारी तथा पार्टी संगठक होगा।

मेष राशि- व्यय बाधा, स्वभाव में उद्विग्नता तथा दुख, कष्ट अवश्य ही होगा, समय का ध्यान अवश्य रखे।

वृष राशि- किसी आरोप से बचे, कार्यगति मंद रहेगी, क्लेश व अशांति अवश्य बन जाएगी, ध्यान दें।

मिथुन राशि- योजनाएं पूर्ण होगी, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष अवश्य ही होगा, ध्यान दें।

कर्क राशि- इष्ट मित्र सुख वर्धक होगे, कार्यगति में सुधार होवे, विचारे हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे।

सिंह राशि- सामर्थ्य और धन अस्त-व्यस्त हो, सतर्कता से कार्य अवश्य ही निपटा लेवे, ध्यान दें।

कन्या राशि- मनोबल उत्साह वर्धक होगा, कार्य गति में सुधार होवे, घरेलू चिताएं कम होगी।

तुला राशि- मानप्रतिष्ठा के साधन बने, स्त्रीवर्ग से सुख और शांति अवश्य ही बन जाएगी।

वृश्चिक राशि- अग्नि चोट आदि का भय होगा, व्यर्थ धन का व्यय होगा, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

धनु राशि- तनाव क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम उद्वेग तथा मानसिक भय बना ही रहेगा।

मकर राशि- विवाद ग्रस्त होने से बचिएगा, तनाव क्लेश तथा मानसिक अशांति अवश्य ही होगी।

कुंभ राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, इष्ट मित्र सुखवर्धक अवश्य होगे।

मीन राशि- भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति, समय उल्लास में बीतेगा तथा मनोवृत्ति उत्तम बनेगी, ध्यान रखे।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

12 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.53 बजे से
चंद्र	सिंह में	मकर	08.58 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.45 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.18 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.48 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.28 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.27 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.40 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	21.56 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कन्या	00.08 बजे से
		तुला	02.19 बजे से
		वृश्चिक	04.33 ब.से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 346 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 14.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 05.50 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** प्रीति 11.12 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 14.57 बजे तदनन्तर तैतिल 03.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 05' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872556 **जूलियन दिन** 2461021.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्टभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड़ कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड़ कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त समाचार

सार्थक आर्य और सिंड्रेला दास ने ज़बरदस्त प्रदर्शन

रांची। ओडिशा के उभरते पैडलर सार्थक आर्य और पश्चिम बंगाल की सिंड्रेला दास ने आज यहाँ पाँचवीं यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अंडर-17 वर्ग के खिताब जीतकर एक शानदार सीज़न का सफल समापन किया। दोनों खिलाड़ियों ने इस सत्र में यह दूसरा राष्ट्रीय रैंकिंग खिताब अपने नाम किया। हरिवंश ताना भगत इंडोर स्टेडियम में हुए बॉयज़ अंडर-17 के फाइनल में, सार्थक आर्य ने अपनी दृढ़ता और धैर्य का परिचय देते हुए पश्चिम बंगाल के रूपम सरदार को 3-1 (11-6, 11-7, 4-11, 14-12) से पराजित किया। यह पंचकूला में जीती गई उनकी पिछली सफलता के बाद सीज़न का उनका दूसरा राष्ट्रीय खिताब है।

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच में आपस में ही भिड़ गये खिलाड़ी

करांची। पाकिस्तान में एक फुटबॉल मैच में खिलाड़ी ही नहीं अधिकारी भी आपस में भिड़ गये। ये मैच पाक सेना और पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन के बीच हुआ इसमें हुई हाथापायी में कड़ी खिलाड़ी और अधिकारी घायल भी हुए हैं। इस मामले की जांच अब पाक ओलंपिक कमेटी कर रही है। सेमीफाइनल में जब दोनो टीमों के बीच जब झगड़ा चल रहा था तब मैच का प्रसारण हो रहा था, इसलिए लोगों ने भी ये सब देखा जिसके बाद सोशल मीडिया में भी इसके वीडियो आने लगे। ऐसे में अब प्रशंसकों ने दोनों टीमों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की है। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब फुटबॉल फेडरेशन के कुछ सदस्यों ने सेना के खिलाड़ियों के सामने ही जीत का जश्न मनाना शुरु कर दिया। इससे उसके खिलाड़ी भड़क गये।। एक खेल अधिकारी ने कहा है उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन हो सकते हैं प्रमोट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की इसी माह 22 दिसंबर को होने वाली सालाना जनरल बैठक (एजीएम) में केन्द्रीय अनुबंध पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। इसमें एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को प्रमोट कर ए प्लस ग्रेड में रखा जाना तय है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को डिमोट किया जा सकता है। इसका कारण है कि अब विराट और रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। वहीं नियमों के अनुसार ए प्लस अनुबंध तीनों प्रारुप खेलने वालों को ही दिया जाता है।

भारत में 100 और श्रीलंका में 290 शुरुआती कीमत, 7 फरवरी से टूर्नामेंट

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के टिकट आज से बिकना शुरू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और श्रीलंका में अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टिकट की ब्रिकी शुरू हो चुकी है। आईसीसी ने भारतीय समयानुसार शाम 6.45 बजे से टिकट विंडो ओपन कर दी। 20 टीमों का आईसीसी टूर्नामेंट 7 फरवरी से शुरू होगा, जो 8 मार्च तक खेला जाएगा।

शुरुआती कीमत 100 रुपए आईसीसी ने गुरुवार को बताया कि फेज-1 में भारत के वेन्यू पर टिकट की शुरुआती कीमत 100 रुपए हैं। वहीं श्रीलंका के वेन्यू शुरुआती कीमत 1000 लंकन रुपया (290 रुपए) है। हालांकि, भारत के मैच के टिकट की शुरुआती कीमत 500 रुपए हैं। फेज-2 के टिकट बिक्री की तारीखें जल्द अनाउंस की जाएंगी। दर्शक वर्ल्ड कप की ऑफिशियल वेबसाइट से टिकट खरीद सकते हैं।

20 टीमों के बीच 55 मैच खेले जाएंगे टी-20 वर्ल्ड कप में 20 टीमों के बीच 29 दिन में 55 मैच खेले जाएंगे। ग्रुप स्टेज में हर दिन 3 मैच होंगे। मुकाबले शुरू होने की टाइमिंग सुबह 11, दोपहर 3 और शाम 7 बजे रहने वाली है। सुपर-8 स्टेज में हर दिन 2 ही मैच होंगे। वहीं नॉकआउट स्टेज में एक दिन में एक ही मैच होगा, जिसकी टाइमिंग शाम 7 बजे रहेगी।

टूर्नामेंट का फॉर्मेट पिछले वर्ल्ड कप की तरह ही रहेगा। जिसमें 5-5 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप से 2-2 टॉप टीमें सुपर-8 में क्वालिफाई करेंगी। यहां टीमों को 4-4 के 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। यहां भी दोनों ग्रुप से 2-2 टॉप टीमों को सेमीफाइनल में एंट्री मिलेगी। सेमीफाइनल जीतने वाली 2 टीमों के बीच 8 मार्च को फाइनल खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज में 4, सुपर-8 में 3 मैच होंगे ग्रुप स्टेज में हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 4-4 मैच खेलेंगी। ज्यादा मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 में रहने पर ही सुपर-8 में एंट्री मिलेगी। सुपर-8 राउंड में भी हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेगी। यानी फाइनल तक पहुंचने वाली 2 टीमें 8-8 मैच खेल लेंगी। भारत-पाकिस्तान 15 फरवरी को भिड़ेंगे आईसीसी ने 25 नवंबर को आईसीसी टूर्नामेंट का शेड्यूल रिलीज कर दिया था। नीदरलैंड और पाकिस्तान के बीच 7 फरवरी को कोलंबो में ओपनिंग मैच खेला जाएगा। इसी दिन शाम 7 बजे से भारत अपना पहला मैच अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। टीम फिर 12 फरवरी को नामीबिया, 15 को पाकिस्तान और 18 को नीदरलैंड से भिड़ेगी।

भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने 2-2 टाइटल जीते टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 2007 में हुई। भारत ने पहले एडिशन के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर टाइटल जीता था। इसके 17 साल बाद भारत ने 2024 में साउथ अफ्रीका को फाइनल हराया और दूसरी बार टाइटल जीता। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी 2-2 टाइटल जीते हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने 1-1 बार खिताब जीता है।

रोहित-कोहली का ए+ ग्रेड खतरे में: 22 दिसंबर को होने वाली बीसीसीआई की मीटिंग में खिलाड़ियों का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सबसे बड़ा मुद्दा होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली ए + ग्रेड में हैं, लेकिन उनका टॉप ग्रेड से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। वजह यह कि दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे खेल रहे हैं। उनकी जगह शुभमन गिल, ऋषभ पंत और केएल राहुल के + ग्रेड में प्रमोशन पर चर्चा होगी।

स्पेन में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए एटलिटिको बिलबाओ और पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाड़ी।

राजगीर की खेल अकादमी को एएचएफ और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा

पटना ■ एजेंसी

यह प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब खान ने बुधवार को चेन्नई में जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल मैच के बाद आयोजित एक विशेष समारोह में बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह को प्रदान किया।

राजगीर स्थित बिहार राज्य खेल अकादमी को एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) अकादमी और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्रदान की गई है जो बिहार के खेल क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

यह प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब खान ने बुधवार को चेन्नई में जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल मैच के बाद आयोजित एक विशेष समारोह में बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह को प्रदान किया। इस दौरान हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्रेयसी सिंह ने कहा कि हॉकी की विश्व में सर्वोच्च संस्था से राज्य खेल अकादमी को मिली यह मान्यता न केवल बिहार के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह राज्य की उभरती खेल क्षमता और एशियाई हॉकी संरचना में राज्य की सशक्त उपस्थिति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार किसी राज्य खेल अकादमी को यह मान्यता प्रदान की गई है।

एएचएफ ने अपने पत्र में कहा, 'राजगीर खेल अकादमी को एएचएफ अकादमी एवं हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में प्रमाणित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह मान्यता अकादमी के विज़न, विश्वस्तरीय खेल ढांचा, जमीनी स्तर से लेकर हाई परफॉर्मेंस तक हॉकी के विकास के लिए संस्थागत तैयारी और समर्पण को दर्शाती है।'

ऑल इंडिया जूनियर टेनिस : कनिष्क, इंसियाह और असमी दो वर्गों के फाइनल में

टेनिस क्लब में आज होगा खिताबी मुकाबला

इंदौर ■ निसं

मध्य प्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित ऑल इण्डिया चैम्पियनशिप सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट (18 वर्ष आयु वर्ग) के सेमीफाइनल मुकाबले संपन्न हो चुके हैं। म.प्र. के तीन खिलाड़ी कनिष्क खथुरिया, इंसियाह महुवाला और असमी रघुवंशी ने अपने-अपने वर्ग के एकल और युगल दोनों के फाइनल में जगह बनाकर दोहरी सफलता की ओर कदम बढ़ा दिया है।

बालक एकल फाइनल में कनिष्क खथुरिया का मुकाबला महाराष्ट्र के वीर महाजन से होगा। कनिष्क ने सेमीफाइनल में आरूष जैन को 6-2, 6-0 से हराया, जबकि वीर महाजन ने धैर्या विमल को 6-3, 6-1 से पराजित किया। बालिका एकल फाइनल में म.प्र. की ही इंसियाह महुवाला और असमी रघुवंशी आमने-सामने होंगी; इंसियाह ने ऋषिना त्रिपाठी को 6-2, 6-2 से मात दी और असमी ने रेवा शर्मा को 3-0 पर (रिटा.) हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

युगल वर्ग में भी सभी फाइनल टीमें तय हो गई हैं। बालक युगल में, कनिष्क खथुरिया और अदवेता नागर की जोड़ी ने धैर्या विमल/तनय कोटक को 6-2, 6-4 से हराया, जबकि गौतम वेंकटेश/प्रदुयम्न तथाचार ने मयंक राजन/आरूष जैन को 6-4, 6-2 से हराकर खिताबी मुकाबले में स्थान बनाया। बालिका युगल में, इंसियाह महुवाला और असमी रघुवंशी की जोड़ी ने मनुस्मृति सिंह/अहाना फलजले को 7-5, 6-2 से मात दी, और सोनिया दत्ता/ऋषिना त्रिपाठी की जोड़ी ने अवनि शर्मा/रेवा शर्मा को 6-1, 6-1 के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

व्यापार समाचार

हेनरिक ब्रौन बने कोका-कोला के नए सीईओ

भारत में 'बड़े अवसर' देख रही है यूनिलीवर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ब्रिटिश उपभोक्ता उत्पाद कंपनी यूनिलीवर ने भारत को आने वाले वर्षों में अपना सबसे बड़ा विकास बाजार बताया है। कंपनी के सीईओ फर्नांडो फर्नांडीज के अनुसार भारत में जीएसटी घटाने, टैक्स रियायतें देने और ब्याज दर कम करने जैसे कदमों से खपत को नया बल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य महंगाई के कारण पिछले वर्षों में मांग कमजोर हुई थी, लेकिन अब सुधार साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत की तिमाही जीडीपी 8.2 प्रतिशत रही है और इससे बाजार में नई जान आई है।'

फर्नांडीज ने बताया कि जीएसटी में कटौती से यूनिलीवर के लगभग 40 प्रतिशत उत्पादों को सीधा फायदा होगा। कंपनी ने हिंदुस्तान यूनिलीवर के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव किए हैं और नए नेतृत्व को तेज वॉल्यूम ग्रोथ का लक्ष्य दिया है। सीईओ के मुताबिक भारत की आबादी में अलग-अलग आय स्तर वाले लोग हैं, जिससे हर श्रेणी में बाजार तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यूनिलीवर अपने ब्रांडों के जरिए इस बड़ी संभावनाओं वाले बाजार का पूरा लाभ उठाने को तैयार है।

कोका-कोला ने किया नया सीईओ नियुक्त: कोका-कोला ने अपने मुख्य परिचालन अधिकारी हेनरिक ब्रौन को ही कंपनी के सीईओ के रूप में चुना है। कंपनी ने घोषणा की हेनरिक 2026 की पहली तिमाही में पदभार संभालेंगे। कोक के वर्तमान अध्यक्ष और सीईओ जेम्स क्विन्सी कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। बता दें कि 57 वर्षीय ब्रौन कोका-कोला में तीन दशकों से कार्यरत हैं। इस वर्ष की शुरुआत में सीओओ का पदभार संभालने से पहले, उन्होंने ब्राजील, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चीन और दक्षिण कोरिया में परिचालन का नेतृत्व किया।

क्विक व ई-कॉमर्स के कारण मुश्किलों का सामना कर रहे खुदरा किराना स्टोर: देश में क्विक और ई-कॉमर्स के बढ़ने से किराना स्टोरों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। फेडरेशन ऑफ रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआरएआई) ने छोटे और मध्यम खुदरा विक्रेताओं को बचाने के लिए सरकार से एक समर्पित तकनीकी प्लेटफॉर्म बनाने का आग्रह किया है, जो उन्हें हाइपरलोकल डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगा।

इंडियन सेलर्स कलेक्टिव के राष्ट्रीय समन्वयक और एफआरएआई के मानद प्रवक्ता अभय राज मिश्रा ने कहा, छोटे रिटेलर्स और किराना दुकानदारों को एक ऐसी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जो पहले कभी उनके सामने नहीं आई, क्योंकि ई-कॉमर्स व क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मार्केट को नया स्वरूप दे रहे हैं। क्विक और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के विस्तार से हजारों स्थानीय किराना दुकान मालिकों की आय एवं आजीविका में भारी गिरावट आ रही है। ब्लिंकिट एवं जेप्टो जैसे क्विक कॉमर्स की ओर ग्राहकों के झुकाव के कारण पिछले साल दो लाख किराना स्टोर बंद हो गए थे।

डाटा मध्यस्थ कंपनियों की शर्तें जटिल-एसबीआई: एसबीआई के प्रबंध निदेशक अश्विनी कुमार तिवारी ने सभी वित्तीय सेवा उत्पादों के लिए ग्राहकों से एक ही सहमति प्राप्त करने के अकाउंट एग्रीगेटर यानी डाटा मध्यस्थ कंपनियों के तंत्र पर चिंता व्यक्त की है। अधिकांश ग्राहक बारीक अक्षरों में लिखी शर्तों को नहीं पढ़ते और अक्सर विवरण को समझे बिना ही साइन अप कर लेते हैं। अकाउंट एग्रीगेटर भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से विनियमित संस्थाएं हैं जो सहमति आधारित डाटा मध्यस्थ के रूप में कार्य करती है। वर्तमान में इस पर लगभग 22 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। तिवारी ने कहा, कोई भी बारीक अक्षरों में लिखी शर्तें नहीं समझता है।

अमेरिकी फेड की तीसरी दर कटौती

2026 में आरबीआई के 5% रेपो रेट पर स्थिर रहने की उम्मीद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने लगातार तीसरी बार ब्याज दर घटाई, जबकि 2025 में कुल 75 आधार अंकों की कटौती हो चुकी है। कमजोर श्रम बाजार और शटडाउन के कारण आर्थिक डेटा की कमी इस फैसले की बड़ी वजह है। बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री दिपानविता मजूमदार के अनुसार, भारत का रेपो रेट 2026 में 5% पर स्थिर रह सकता है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने वर्ष के अंत में अपनी तीसरी लगातार ब्याज दर कटौती की घोषणा की है। फेड ने फेडरल फंड्स रेट को घटाकर 3.50% से 3.75% की सीमा में ला दिया है। वर्ष 2025 में कुल मिलाकर 75 आधार अंकों की कटौती की जा चुकी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी श्रम बाजार के संकेतक लगातार कमजोर बने हुए हैं और सरकार के शटडाउन के कारण नई आर्थिक सूचनाओं का प्रवाह बाधित हो गया है।

आरबीआई 2026 में ब्याज दर रखेगा स्थिर: बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री दिपानविता मजूमदार ने कहा है कि मौजूदा वैश्विक रुझानों और घरेलू स्थिति को देखते हुए भारत का रेपो रेट कैलेंडर वर्ष 2026 में 5% के स्तर पर स्थिर रहने की संभावना है।

भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दरों में अंतर है नियंत्रित: फेड की यह नीति वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों पर महत्वपूर्ण असर डालेगी, और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को अपने मौद्रिक फैसलों में इससे जुड़े बदलावों को ध्यान में रखना होगा। मजूमदार ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दरों में अंतर काफी हद तक नियंत्रित रहा है। इसका कारण अमेरिका की तुलना में आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में अधिक तेजी से की गई कटौती है। ब्याज उपज में अंतर ने भी नीतिगत दरों में अंतर के समान ही रुझान दिखाया है। इससे शुरुआती महीनों में विदेशी निवेशकों (एफपीआई) के प्रवाह को समर्थन मिला।

रुपये में अस्थिरता ने निवेश के प्रवाह पर डाला असर: उन्होंने कहा कि हालांकि, रुपये की अस्थिरता ने हाल के समय में निवेश प्रवाह को प्रभावित किया है। आगे चलकर, हम उम्मीद करते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दर का अंतर मौजूदा स्तर पर बना रहेगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि निकट भविष्य में भारत और अमेरिका के बीच उच्च उपज अंतर से विदेशी निवेश (एफपीआई) प्रवाह को समर्थन मिलेगा और इससे मुद्रा को कुछ हद तक मजबूती मिलने की उम्मीद है। घरेलू खाद्य कीमतों पर नियंत्रण होने के कारण मुद्रास्फीति का अंतर भी भारत के पक्ष में झुका रहेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह रेपो दर को पहले के 5.50% से घटाकर 5.25% कर दिया। नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) 3% पर अपरिवर्तित है, और स्थायी सुविधा दर को 5.25% से घटाकर 5% कर दिया गया है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़कर 29,911 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश 29,911 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो अक्टूबर के 24,690 करोड़ रुपये की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। यह तीन महीने की गिरावट के बाद निवेशकों के सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत देता है। इक्विटी प्रवाह में सुधार के चलते उद्योग की कुल परिसंपत्तियां (एयूएम) भी बढ़ीं। अक्टूबर में 79.87 लाख करोड़ रुपये होने के बाद, नवंबर में एयूएम बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपये हो गई। नियमित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में नवंबर में मामूली कमी देखी गई। अक्टूबर में 29,631 करोड़ रुपये जमा हुए थे, जबकि नवंबर में यह घटकर 29,445 करोड़ रुपये रह गए।

आरडी, सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न का बेहतरीन विकल्प

मुंबई। पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग स्कीमें अब भी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हैं। इनमें से एक है पोस्ट ऑफिस रेकरिंग डिपॉजिट (आरडी) जिसमें हर महीने छोटी राशि जमा कर कोई भी बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इस स्कीम की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें सरकार की गारंटी होती है, यानी आपका पैसा 100 फीसदी सुरक्षित रहता है। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस आरडी पर वार्षिक 6.7 फीसदी ब्याज मिल रहा है। यह फिक्स्ड इनकम विकल्पों की तुलना में बेहतर रिटर्न प्रदान करता है। इसे कोई भी व्यक्ति 100 से शुरू कर सकता है।

फायर-बोल्ट क्लिक स्मार्टवॉच कम बजट में उपलब्ध

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फायर-बोल्ट क्लिक स्मार्टवॉच कम बजट में शानदार फीचर्स के साथ उपलब्ध है। स्मार्टवॉच अब सिर्फ फैशन या फिटनेस गैजेट नहीं बल्कि कम्युनिकेशन का आसान माध्यम बन चुकी हैं। यह घड़ी सिम कार्ड स्लॉट और फ्रंट कैमरा के साथ आती है, जिसकी वजह से फोन से कनेक्ट हुए बिना ही कॉलिंग, मैसेजिंग और वीडियो कॉलिंग की जा सकती है। यह उन लोगों के लिए खास विकल्प है जो फोन पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। फायर-बोल्ट क्लिक को अमेजन पर 2,799 रुपये की कीमत में सूचीबद्ध किया गया है। इस पर बैंक ऑफर, कैशबैक और नो-कॉस्ट ईएमआई जैसे फायदे दिए जा रहे हैं। वॉच वाइनबेरी ब्लेंड, स्काईलाइन पल्स और अन्य कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है।

भारत में निवेश रिकॉर्ड स्तर पर, कंपनियों का कैपेक्स बढ़ा: रिपोर्ट

भारत की लिस्टेड कंपनियों ने सितंबर 2025 तक सालाना 11.7 लाख करोड़ का निवेश किया

मुंबई, एजेंसी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत की लिस्टेड कंपनियों ने सितंबर 2025 तक सालाना 11.7 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। यदि केंद्र और राज्य सरकारों का खर्च जोड़ें, तो कुल निवेश 31.6 लाख करोड़ रुपये के सबसे बड़े स्तर पर पहुंच गया। बिजली, ऊर्जा, फैक्टरी, धातु और ऑटो सेक्टर के कंपनियां इस बढ़त की अगुवाई कर रही हैं। पहले साल में 100 मिलियन डॉलर से अधिक निवेश करने वाली कंपनियों की संख्या 135 थी, जो अब बढ़कर 169 हो गई है। यह दर्शाता है कि भारत में निवेश अब सभी आकार की कंपनियों में तेजी से फैल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले समय में बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, मटेरियल और बड़े निर्माण वाले सेक्टर तेजी दिखा सकते हैं। दुनिया में कई देश खुद उत्पादन बढ़ा रहे हैं, और भारत ऊर्जा, रक्षा, रेयर-अर्थ, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल नेटवर्क में तेजी से अपनी ताकत बढ़ा रहा है। निवेश ज्यादातर पुराने और मजबूत उद्योगों में हो रहा है, जिससे भारत दुनिया के लिए सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्प बन रहा है। वित्त वर्ष 26 के पहले छह महीनों में निवेश दर 34 फीसदी तक पहुंच गई। कम महंगाई और संभावित ब्याज दरों में कमी से कंपनियों के लिए लोन सस्ता होगा, जिससे निवेश और तेज होगा। कंपनियों का मुनाफा जीडीपी के 5.2 फीसदी तक पहुंच गया है और उनका कर्ज कम है, जो भविष्य में निवेश को और बढ़ावा देगा।

नवंबर महीने में सालाना आधार पर 24.5% का इजाफा

एआई की बढ़ी मांग के कारण बढ़ी टीएसएमसी की रेवेन्यू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दुनियाभर में एआई तकनीक की तेजी से बढ़ती मांग का सीधा असर अब सेमीकंडक्टर कंपनियों के राजस्व पर दिखने लगा है। ताइवान की चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी (ञ्सस्ञ्) का नवंबर 2025 का राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 24.5% बढ़कर 343.61 अरब न्यू ताइवान डॉलर हो गया।

दुनिया में एआई की बढ़ती मांग का असर अब इन्हें बनाने वाली कंपनियों पर दिखने लगा है। ताइवान की सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी टीएसएमसी का राजस्व नवंबर में पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। माना जा रहा है कि यह वृद्धि एआई चिप्स की मजबूत वैश्विक मांग के कारण हुई है। हालांकि मासिक आधार पर राजस्व की बात करें तो यह अक्तूबर की तुलना में कम रहा।

कंपनी ने 343.61 अरब का शुद्ध लाभ दर्ज किया: कंपनी के आधिकारिक बयान के अनुसार, नवंबर 2025 के लिए उसका समेकित शुद्ध राजस्व 343.61 अरब न्यू ताइवान डॉलर (एनटीडी) रहा। यह लगभग 10.99 अरब डॉलर (1 एनटीडी = 0.032 डॉलर) के बराबर है।

कंपनी ने बयान में कहा कि समेकित आधार पर, नवंबर 2025 का राजस्व लगभग 343.61 अरब एनटीडी था। यह अक्तूबर 2025 से 6.5 प्रतिशत कम और नवंबर 2024 से 24.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के बयान के अनुसार, यह नवंबर 2024 में दर्ज किए गए 276.06 अरब एनटीडी (8.83 अरब अमेरिकी डॉलर) से 24.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

हालांकि, मासिक आधार पर, राजस्व अक्तूबर 2025 में दर्ज किए गए एनटीडी 367.47 अरब (11.76 अरब डॉलर) से 6.5 प्रतिशत कम रहा। यह पिछले महीनों में मजबूत वृद्धि के बाद अल्पकालिक मांग में नरमी को दर्शाता है। 2025 के पहले ग्यारह महीनों में, दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी ने कुल एनटीडी 3,474.05 अरब का राजस्व अर्जित किया, जो 111.17 अरब डॉलर के बराबर है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज किए गए एनटीडी 2,616.14 अरब (83.72 अरब डॉलर) की तुलना में 32.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

ई-20 पेट्रोल से वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि ई-20 यानी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि व्यापक परीक्षणों में यह ईंधन पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है और इससे प्रदूषण कम करने तथा विदेशी मुद्रा बचाने में भी मदद मिलती है। लोकसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की प्रभावशीलता पर उठे सवालों का जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि सरकार द्वारा कराए गए विस्तृत परीक्षणों में ई-20 पेट्रोल से वाहनों की ड्राइवबिलिटी, स्टार्टबिलिटी, धातु और प्लास्टिक संगतता पर कोई नकारात्मक असर सामने नहीं आया है। ई-20 के प्रयोग से देश को महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ मिल रहे हैं। एथनॉल मिश्रण से अब तक 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक विदेशी मुद्रा की बचत हुई है, जबकि कच्चे माल के रूप में गन्ना और मक्का उपलब्ध कराने वाले किसानों को 40 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। गडकरी ने कहा कि एक अप्रैल 2023 से पहले बेचे गए वाहन ई-10 के अनुकूल हैं, जबकि इसके बाद बेचे गए वाहन ई-20 सामग्री-अनुपालन के मानकों पर खरे उतरते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पुराने वाहन को चरणबद्ध तरीके से हटाने या रेट्रोफिटिंग की आवश्यकता नहीं है और सामान्य घिसावट को नियमित सर्विसिंग में आसानी से संभाला जा सकता है।

शिमला रेलवे स्टेशन को मास्टर प्लानिंग के तहत किया जा रहा विकसित : रेल मंत्री

धर्मशाला। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि हिमाचल प्रदेश को उत्तरी रेलवे जोन में कवर किया गया है और इस जोन के लिए वर्ष 2025-26 के लिए 2,216 करोड़ का बजट आबंटित किया गया है, जिसमें से अब तक 919 करोड़ खर्च किये जा चुके हैं। रेल मंत्री ने यह जानकारी लोकसभा सांसद डॉक्टर राजीव भारद्वाज के सवाल के जवाब में लोक सभा में दी। उन्होंने बताया कि अमृत भारत योजना के अन्तर्गत देश में 1,337 रेलवे स्टेशन विकसित किये जा रहे हैं जिसमें से हिमाचल के पालमपुर, शिमला, बैजनाथ पपरोला और अम्ब अम्बोटा स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने बताया की इसमें से पालमपुर, बैजनाथ पपरोला और अम्ब अम्बोटा रेलवे स्टेशनों को विकसित कर दिया गया है जबकि शिमला को मास्टर प्लानिंग के अन्तर्गत कवर किया जा रहा है। रेल मंत्री ने बताया कि पंचरुखी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म, शेल्टर, वेटिंग हॉल , पेयजल, शौचालय और यात्रियों के बैठने की उचित सुविधा प्रदान की गई है जोकि तय मापदण्डों से ज्यादा हैं। उन्होंने बताया कि अमृत भारत योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशनों पर वेटिंग हॉल, टॉयलेट, वाटर बूथ, बैठने की उचित व्यवस्था, लिफ्ट, एस्केलेटर/रैंप आदि की आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रहीं हैं।

खाड़ी देशों में भारत का प्रभाव हो रहा कम, सऊदी अरब-पाक में परमाणु सुरक्षा डील

रियाद। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच परमाणु सुरक्षा डील पर हस्ताक्षर किया गया था। अमेरिका में इस डील को अपने सुरक्षा हित से देखा। इस डील में कहा गया है कि सऊदी अरब या पाकिस्तान पर कोई भी हमला हुआ तो दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। अमेरिकी विश्लेषक का मानना है कि इसे कतर पर हुए इजराइल हमले से जोड़कर देखना चाहिए। वह भी तब जब कतर को अमेरिकी सुरक्षा गारंटी मिली हुई थी। सऊदी अरब और पाकिस्तान की इस सुरक्षा डील को कई विश्लेषकों ने भारत के लिए झटका बताया। यह डील अमेरिका की बजाय खाड़ी देशों में भारत के हितों को लेकर ज्यादा अहम और नुकसानदायक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक लेख में सीनियर फेलो जीन लूप ने कहा कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रिश्ते में कुछ भी नया नहीं है। दोनों देशों के बीच लेबर और सुरक्षा को लेकर लंबे समय से करीबी संबंध हैं।

मोदी जी, हम जिंदा रहना चाहते हैं पाक जो दुनिया के लिए खतरा है उससे आजाद कराएं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने संविधान संशोधन कर असीम मुनीर को परमाणु बमों का एकाधिकार सौंप दिया है, जिसके बाद पाकिस्तान से लेकर विदेशों में भी परमाणु हथियारों को लेकर चिंता होने लगी है। इस बीच सिंध प्रांत के एक नेता ने भारत के पीएम मोदी को पत्र लिखकर दुनिया को हैरान कर दिया है। सिंधी नेता शफी बुरफत ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान एक खतरनाक रूप से अस्थिर दौर में जा रहा है, जिसे वह चरमपंथी, सैन्य कमांड स्ट्रक्चर कहते हैं। उन्होंने पत्र में लिखा कि पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर को पाकिस्तान के परमाणु बम का मालिक बनाना ना सिर्फ सिंध, बल्कि पूरे इलाके के लिए खतरा है। सिंध नेता ने मानवाधिकार दिवस से एक दिन पहले पीएम मोदी को असीम मुनीर को लेकर पत्र लिखा। इस पत्र में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है।

अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज के संरक्षण में अदभुत संत समागम

उपवास, योग और स्वदेशी जागरण पर आधारित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

न्यू दिल्ली ■ एजेंसी

हर मास एक उपवास योग तथा स्वदेशी जागरण पर आधारित अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के संयुक्त तत्वाधान में भारत मंडपम, नई दिल्ली में 12-13 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल महोत्सव का भव्य और एतिहासिक आयोजन तपस्वी सम्राट, साधना महोदधी, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य एवं संरक्षण में किया जा रहा है। जिसमें विशेष रूप से योगऋषि बाबा रामदेव उपस्थित रहेंगे।

दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ इस युग के महावीर आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज तथा बाबा रामदेव के सानिध्य में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ साथ केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा, जिसमें विशिष्ट अतिथियों बागेश्वर पीठाधीश्वर प. धीरेन्द्र शास्त्री तथा कार्यक्रम उपाध्याय पियूष सागर जी महाराज सहित तमाम अन्य संत और सिद्ध विभूतियां विशिष्ट अतिथियों के सानिध्य में होगा।

हर मास एक उपवास, योग और स्वदेशी अपनाओ जैसे विषयों पर होगा मुनि श्री मार्गदर्शन

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज के सानिध्य में व्रत के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला जाएगा, ताकि उपवास का हमारे भौतिक आध्यात्मिक जीवन पर प्रभाव पड़ सके। इसके अलावा योग के साथ साथ स्वदेशी जागरण पर भी विमर्श किया जायगा।

अध्यात्म राजनीति कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों की श्रेष्ठ विभूतियां होगी महोत्सव में सम्मिलित

दो दिवसीय जनमंगल महोत्सव में आध्यात्मिक योग और राजनीतिक क्षेत्र की विभिन्न विभूतियों के सम्मिलित होंगे। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ-साथ आयोजन उपाध्याय मुनि पीयूष सागर महाराज, विधायक तथा आध्यात्मिक गुरु बाबा बालक नाथ, पतंजलि योगपीठ के कर्ताधर्ता आचार्य बालकृष्ण, पूज्य संत ज्ञानानंद जी महाराज, कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, प्रवेश वर्मा,सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज, सांसद और विचारक सुधांशु त्रिवेदी, जाने-माने पत्रकार रजत शर्मा, बाबा सत्यनारायण मौर्य आदि सम्मिलित होंगे।

पीड़ित को 10 हजार रुपए का ट्रैवल वाउचर मिलेगा

बेटे को परीक्षा दिलाने 800 किलोमीटर कार चलाकर पहुंचे पिता को अब इंडिगो कंपनी देगी पैसे

रोहतक ■ एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो में फ्लाइट ऑपरेशन क्राइसिस शुरू होने के बाद देश भर में ऐसे हजारों परिवार थे जो एयरपोर्ट पर फंस गए। कोई अपनी बहन की शादी में नहीं पहुंच पाया तो कोई अपनों के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हो पाया और किसी की परीक्षा और नौकरी छूट गई। ऐसे में रोहतक के एक पिता ने फ्लाइट कैंसिल होने के बाद अपने बेटे को परीक्षा में शामिल कराने के लिए रात में लगातार 800 किलोमीटर कार चलाई और समय रहते बेटे को दिल्ली से इंदौर पहुंचा दिया।

अब रोहतक के पंघाल परिवार को हुई इस दिक्कत के लिए इंडिगो कंपनी की तरफ से उन्हें 10000 हजार रुपये का मुआवजा मिलेगा और 10 हजार रुपये का ट्रैवल वाउचर भी दिया जाएगा जिसे एक साल के अंदर कभी भी टिकट बुकिंग में इस्तेमाल किया जा सकेगा। दरअसल रोहतक के मायना गांव के युवा निशानेबाज आशीष चौधरी पंघाल इंदौर स्थित प्रतिष्ठित डेली कॉलेज में 12वीं कक्षा के छात्र हैं. वो इन दिनों छुट्टी पर घर आए हुए थे और 8 दिसंबर से उनकी परीक्षा शुरू होनी थी। इससे पहले 6 दिसंबर की शाम को उन्हें इंदौर के कॉलेज में सम्मानित किया जाना था जिसके लिए दिल्ली से इंदौर की फ्लाइट पहले से ही बुक थी। ऐसे में उनके पिता राजनारायण पंघाल उन्हें कार से दिल्ली एयरपोर्ट पर छोड़ने के लिए गए हुए थे।एयरपोर्ट पर जाकर पता चला कि इंदौर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट कैंसल कर दी गई है। यह खबर मिलते ही उसके पिता के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई कि आखिर उनका बेटा अब अपनी परीक्षा में कैसे शामिल होगा।पिता को लगा कि फ्लाइट कैंसिल होने की वजह से अब उनका बेटा आशीष एक ओर जहां अवार्ड समारोह में भाग नहीं ले पाएगा, वहीं 8 दिसंबर से शुरू होने वाली प्री-बोर्ड परीक्षा भी छूटने का डर था। पहले उन्होंने इंदौर जाने वाली सभी ट्रेनों में रिजर्वेशन के लिए खूब कोशिश की लेकिन जब ट्रेन में सीट नहीं मिली तो उन्होंने बेटे को खुद इंदौर पहुंचाने की ठान ली।दिल्ली से इंदौर की दूरी करीब 800 किलोमीटर है. ऐसे में राजनारायण ने तुरंत फैसला लिया कि अब वो बेटे को खुद कार चलाकर 800 किलोमीटर की दूरी तय कर इंदौर पहुंचाएंगे ताकि वो परीक्षा में शामिल हो सके। उन्होंने रात भर कार ड्राइव की और अगले दिन बेटे को समय पर लेकर इंदौर पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने कहा कि इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने के बाद उन्हें डर था कि कहीं बेटे की परीक्षा न छूट जाए।

जापान में 6.7 तीव्रता का भूकंप, देश के पूर्वोत्तर में लगे झटके; सुनामी की चेतावनी

टोक्यो ■ एजेंसी

जापान में आज सुबह (शुक्रवार, 12 दिसंबर) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई। इसी के साथ सुनामी की भी चेतावनी जारी की गई है।

जापान में आज सुबह एक बार फिर धरती हिलने से दहशत फैल गई। जापान में तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारतीय समय के अनुसार यह भूकंप सुबह 8.14 बजे आया। भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई। इसी के साथ सुनामी की भी चेतावनी जारी की गई है।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक शुक्रवार को देश के उत्तर-पूर्व में रिक्टर स्केल पर भूकंप की 6.7 तीव्रता मापी गई। भूकंप के बाद सुनामी की भी चेतावनी जारी की गई। फिलहाल नुकसान के बारे में तुरंत कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

बताया जा रहा है कि समुद्र में आया 6.7 तीव्रता का भूकंप इतना जोरदार था कि तटीय इलाकों से लेकर दूर बसे शहरों तक धरती हिलने से हड़कंप मच गया। जिसकी गहराई 10.7 किलोमीटर बताई जा रही है। भूकंप तट के करीब आया, ऐसे में तीव्र भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई और घरों से बाहर भागने लगे।

शुक्रवार को आए भूकंप के बाद जापान की मौसम एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1 मीटर तक ऊंची लहरें आने का अलर्ट जारी किया गया है। कई तटीय इलाकों में दोपहर तक लगातार अलर्ट दिया गया है।

बता दें कि एक हफ्ते में चौथी बार जापान भूकंप की दहशत से थर्राया है। इससे पहले सोमवार को 7.6 की तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इसी के साथ हल्के नुकसान और सुनामी की लहरें भी देखी गई। इसके अगले दिन यानी मंगलवार को होंचो शहर में 6.7 मैग्नीट्यूड के झटके महसूस किए गए। वहीं बुधवार को आओमोरी और होक्काइडो में भी 6.5 की तीव्रता का भूकंप आया। अब आज यानी शुक्रवार को फिर से 6.7 की तीव्रता के भूकंप से जापान हिला है।

सिर्फ एक साल नौ महीने की उम्र में कमाल ! वेदा बनीं भारत की सबसे कम उम्र की 100 मीटर तैराक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वेदा परेश सरफरे, रत्नागिरी, महाराष्ट्र की एक नन्ही बच्ची, 100 मीटर की की तैराकी करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की तैराक बन गई हैं। उन्होंने सिर्फ 1 साल 9 महीने की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करते हुए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बना ली है।

भारत की नन्ही तैराक वेदा सरफरे ने बहुत छोटी उम्र में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो बड़े खिलाड़ियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। सिर्फ एक साल नौ महीने 10 दिन की उम्र में वेदा ने 100 मीटर तैराकी पूरी कर अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया है। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली वे वह देश की सबसे छोटी तैराक बन गई हैं।

वेदा सरफरे ने औपचारिक तैराकी प्रशिक्षण की शुरुआत सिर्फ नौ महीने की उम्र में कर दी थी। बताया जाता है कि वेदा को तैराकी की दिलचस्पी अपने भाई की स्विमिंग क्लास देखकर ही मिली। उनका प्रशिक्षण कोच महेश मिल्के और उनकी पत्नी गौरी मिल्के ने शुरू कराया, जिन्होंने अगले 11 महीनों तक वेदा को तैराकी में संतुलन, सांस नियंत्रण और सहनशक्ति की ट्रेनिंग दी और वेदा की क्षमता को धीरे-धीरे विकसित किया।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स को भेजे गए मेल के मुताबिक, वेदा ने 25.22 मीटर माप वाले रत्नागिरी नगर स्विमिंग पूल में चार लैप लगाते हुए कुल 100 मीटर दूरी पूरी की। उन्होंने यह कारनामा 10 मिनट आठ सेकंड में पूरा किया। उनके इंस्टाग्राम पेज पर प्रशिक्षण के कई वीडियो साझा किए जाते हैं, और वहीं पर इस रिकॉर्ड की आधिकारिक जानकारी भी दी गई है। मेल के अंश में लिखा गया, उन्होंने 25म22 मीटर के स्विमिंग पूल में 100 मीटर (4 लैप) की दूरी 10 मिनट 8 सेकंड में पूरी की।

देश के ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण के रूप में बिना किसी गारंटी के संस्थागत ऋण केंद्र

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत सरकार ने 2025-26 के बजट घोषणापत्र में होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण के रूप में बिना किसी गारंटी के संस्थागत ऋण की घोषणा की है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में होमस्टे की स्थापना में सहायता और प्रोत्साहन दिया जा सके।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को राज्यसभा में लिखित प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पर्यटन मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएमजेयूजीए) के अंतर्गत च्आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे का विकासज् (स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना) के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। इस योजना का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे विकसित करना है ताकि जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके, आदिवासी समुदायों के लिए आजीविका के अवसर बढ़ाए जा सकें और हितधारकों को आदिवासी गांवों में टिकाऊ पर्यटन प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इस योजना के तहत ग्राम समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता, प्रत्येक परिवार के लिए दो नए कमरों के निर्माण में मदद हेतु 5 लाख रुपये तक की सहायता और प्रत्येक परिवार के मौजूदा कमरों के

नवीनीकरण के लिए 3 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी। आपको बता दें, पर्यटन मंत्रालय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन सहित देश के विविध पर्यटन उत्पादों को समग्र रूप से बढ़ावा देता है। यह प्रचार यात्रा कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों के आयोजन और उनमें भागीदारी के माध्यम से, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को मेलों और उत्सवों के आयोजन में सहायता प्रदान करके, आतिथ्य कार्यक्रम के तहत प्रभावशाली व्यक्तियों, पर्यटन संचालकों, पत्रकारों और विचारकों को देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित करके, राज्य सरकारों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के सहयोग से वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से प्रचार के विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा किया जाता है।

एक बार ईंधन भरने के बाद आठ घंटे चलता है हाइड्रोजन जलयान

कोचीन शिपयार्ड में बना है भारत का पहला हाइड्रोजन चालित जलयान

वाराणसी ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में देश की पहले हाइड्रोजन चालित जलयान गंगा नदी में गुरूवार से विधिवत चलने लगा है। इस जलयान को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित किया गया है।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार शहरी परिवहन के लिए डिज़ाइन की गई 24 मीटर लंबा यह कैटामरान वातानुकूलित केबिन में 50 यात्रियों को ले जा सकती है और 6.5 समुद्री मील की गति से चलती है। इसकी हाइब्रिड ऊर्जा प्रणाली में हाइड्रोजन ईंधन सेल, बैटरी और सौर ऊर्जा का संयोजन है, जिससे एक बार हाइड्रोजन भरने पर यह आठ घंटे तक चल सकती है। यह जलयान इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग द्वारा प्रमाणित है। हाइड्रोजन ईंधन चालित जलयान की वाणिज्यिक सेवा की शुरुआत स्वच्छ और अधिक टिकाऊ समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री सर्बानन्द सोनोवाल के नेतृत्व में, आईडब्ल्यूएआई मेरीटाइम इंडिया विजन 2030 और मेरीटाइम अमृत काल विजन 2047 के अंतर्गत उन्नत हरित प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक ईंधनों को अपनाने को बढ़ावा दे रहा है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के स्वामित्व वाला यह जलयान 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है और भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों में स्वच्छ, टिकाऊ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करती है। पायलट जलयान एफसीवी पायलट-01 को चालू करने के लिए, आईडब्ल्यूएआई, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और इनलैंड एंड कोस्टल शिपिंग लिमिटेड ने तकनीकी सहायता, संचालन और निगरानी को रेखांकित करते हुए एक त्रिपक्षीय समझौता किया है। इस समझौते में वित्तीय शर्तें, सुरक्षा प्रक्रियाएं, निगरानी तंत्र और पायलट चरण के दौरान आवधिक निरीक्षण के प्रावधान शामिल हैं। वाराणसी में शुरू हाइड्रोजन ईंधन चालित जलयान शहरी जल परिवहन को कई महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाता है, जिनमें यात्रियों और तीर्थयात्रियों के लिए शोर-मुक्त यात्रा, केवल जल उत्सर्जन धुआं मुक्त, प्रदूषण मुक्त, और जलमार्गों के माध्यम से तेज आवागमन से सड़क पर भीड़भाड़ में कमी शामिल है। इससे स्थानीय पर्यटन और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

आंध्र प्रदेश बस हादसा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने हादसे पर जताया दुख, अनुग्रह राशि का ऐलान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामाराजू में बस खाई में गिरने से आठ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि का ऐलान किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हादसे के पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म च्एक्सज् पर पोस्ट कर लिखा, आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में एक दुखद बस दुर्घटना में हुई मौतों के बारे में जानकर दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र

स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। पीएमओ ने पीएम मोदी के हवाले से पोस्ट में लिखा, च्आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में बस दुर्घटना में हुई मौतों से दुखी हूं। इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास का नया युग

उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

विकास और सेवा के 2 वर्ष

'हमारा प्रदेश इस वर्ष सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव लाने वाला देश का तीसरा राज्य बना है। नई औद्योगिक क्रांति के अग्रदूत के रूप में मध्यप्रदेश 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में अभूतपूर्व योगदान दे रहा है।'

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025
₹26 लाख करोड़ + के निवेश प्रस्ताव
17 लाख + नए रोज़गार

पहली बार स्थानीय स्तर पर
7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव
₹2 लाख करोड़ + के निवेश प्रस्ताव
2.70 लाख नए रोज़गार

राष्ट्रीय स्तर पर
14 इंटरैक्टिव सेशन्स
₹2.6 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव
2.2 लाख नए रोज़गार

5 ग्लोबल यात्रायें
₹89,000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

अब तक ₹ 32 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

23 लाख से अधिक नए रोज़गार

₹ 8.57 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर

देश का सबसे बड़ा और पहला पीएम मित्र पार्क, धार 2158 एकड़ विकसित क्षेत्र

नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के लिए नर्मदापुरम में 750 एकड़ का विकसित क्षेत्र

विश्व की सबसे बड़ी ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना 278 मेगावॉट विद्युत उत्पादन

पर्यटन विकास के नए अवसर तलाशने क्षेत्रीय टूरिज्म कॉन्क्लेव

निवेश का हब

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D-11156/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश में जो भी उद्योग लगाना चाहता है, सरकार उसके साथ हर कदम पर खड़ी है। सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं, पारदर्शिता, उद्योग अनुकूल नीतियां और मजबूत अवसंरचना हमारा सबसे बड़ा निवेश आकर्षण है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

विकास और सेवा के 2 वर्ष

18 नीतियाँ एक साथ लागू

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

एमएसएमई विकास नीति
निवेश प्रोत्साहन के लिए 40% तक की सहायता। नए उद्योगों में नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला उद्यमी इकाई को 48% की सहायता।

स्टार्ट-अप नीति
स्टार्ट-अप एवं इन्क्यूबेटर्स को वित्तीय एवं गैर वित्तीय सुविधा, सहायता एवं फेसिलिटेशन का प्रावधान।

AVGC-XR नीति
वर्ष 2029 तक ₹2,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य, 20 हजार रोज़गार होंगे सृजित।

लॉजिस्टिक नीति
वर्ष 2030 तक वैश्विक बेंचमार्क के अनुरूप लॉजिस्टिक लागत को कम करते हुए लॉजिस्टिक अधोसंरचना विकास का लक्ष्य।

उद्योग संवर्धन नीति
ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस एवं इन्वेस्टर फेसिलिटेशन और विभिन्न सेक्टर हेतु विशिष्ट सुविधाएं प्रदान करने के लिए नीति को स्वीकृति।

इलेक्ट्रिक वाहन नीति
2 पहिया वाहन, 3 पहिया वाहन, इलैक्ट्रिक कार और बसों एवं इलैक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन।

आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति
आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम क्षेत्रों में युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर सृजित करना।

कृषि-व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण नीति
खेत से बाजार तक आपूर्ति श्रृंखला में निवेश का प्रवाह और मूल्य संवर्धन बढ़ाना।

रियल स्टेट नीति
लैन-देन के समय और लागत को कम करके व्यापार में आसानी सुनिश्चित करना।

एक्सपोर्ट प्रमोशन नीति
निर्यात प्रोत्साहन और विश्व स्तर पर "मेड इन मध्यप्रदेश" बाजार विकसित करने को स्वीकृति।

ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति
नवाचार, आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रोत्साहन।

सेमी कंडक्टर नीति
सेमी कंडक्टर डिज़ाइन, आर एण्ड डी और विनिर्माण क्षेत्रों को मिलेगी सहायता।

पर्यटन नीति
पर्यटन का अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने और प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गंतव्य के रूप में विकास को बढ़ावा।

स्वनिज नीति
प्रदेश के खनिज संसाधनों के कुशल सर्वेक्षण, अन्वेषण तथा उचित दोहन को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योग अनुकूल नीति।

फिल्म पर्यटन नीति
मध्यप्रदेश को फिल्म पर्यटन अनुकूल राज्य बनाना और राज्य में फिल्म उद्योग के माध्यम से अधिकाधिक निवेश एवं रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा।

स्वास्थ्य क्षेत्र निवेश प्रोत्साहन नीति
प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में सुधार करना और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करना।

नवीकरणीय ऊर्जा नीति
मध्यप्रदेश को एक नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण केंद्र बनाने के लिए उचित प्रोत्साहन प्रदान करना।

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास नीति
प्रदेश में हितधारकों के लिए प्रासंगिक तकनीकी शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण का समावेशी विस्तार सुनिश्चित करना।

D-11157/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।